डॉ. अम्बेडकर जयंती आज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

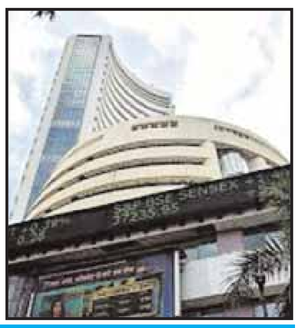

5 आईपीएल 2026 : रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए पूरे.... सम्पादकीय डिजिटल युग में हिंदी: चुनौतियाँ... सेंसेक्स 703 अंक गिरकर 76,848 पर आया... 5

वर्ष 24 ● अंक 344 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online मुरैना, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8


## हमारी सरकार नारीशक्ति के साथ हैः नरेन्द्र मोदी

### हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं

**नई दिल्ली।** पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।'

उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।' पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।'

स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है। 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।

'भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है।' 'महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।' '2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था। एक सुर में यह बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए।' 'देश की महिलाएं अपने सांसदों से मिलें अपना पक्ष रखें अपेक्षाएं बताएं, जिस दिन वे सदन में आने के लिए निकलें तो फूल माला देकर उन्हें विदाई दीजिए, ताकि जब सांसद माता-बहनों का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे न तो दूसरा निर्णय कर ही नहीं सकेंगे।'

## पीड़ित मानवता की सेवा करना यही जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य : मुख्यमंत्री

### अमरकंटक से पंच परिवर्तन का संदेश, साधना और सेवा का संगम है श्री नर्मदे हर सेवा न्यास, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने न्यास के संस्थापक अध्यक्ष स्व. माथुर को दी श्रद्धांजलि, पंच परिवर्तन विचार गोष्ठी में रखे विचार, स्व. माथुर ने अंतिम सांस तक की नर्मदा माता की सेवा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

**अनूपपुर।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक व्यक्ति जब अपने पूरे जीवन को समाज के लिए समर्पित कर देता है, तब वह केवल व्यक्ति नहीं, एक विचार बन जाता है। स्व.भगवत शरण माथुर भी ऐसा ही एक जीवंत विचार थे। उन्होंने अपने जीवन में यह सिद्ध कर दिया कि समाज की सेवा ही ईश्वर की सच्ची साधना है। समाज सेवा ही हर मनुष्य के जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माथुर ने अपनी निजी सुख-सुविधाओं को त्याग कर समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे आज भी हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माथुर मूलरूप से राजगढ़ जिले के निवासी थे। उनका जन्म सीका गांव में हुआ था। उन्होंने अपने जीवनकाल में क्षेत्रीय सामाजिक पिछड़ेपन को दूर करने तथा शिक्षा के प्रसार के लिए प्रकल्प स्थापित कर इस दिशा में विशेष प्रयास किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को 'श्री नर्मदे हर सेवा न्यास' के संस्थापक अध्यक्ष स्व. भगवत शरण माथुर की जयंती पर न्यास के मुख्यालय अमरकंटक में आयोजित विचार गोष्ठी सह श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने समाजसेवी स्व. माथुर की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महादेव की कृपा से सिद्ध क्षेत्र अमरकंटक से मां नर्मदा, सोन और जोहिला प्रकट होकर त्रिवेणी धारा प्रवाहित करती हैं। इसी स्थान से निकलकर माँ नर्मदा मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों को आशीर्वाद देती है। सोन नदी भी आगे जाकर गंगा की धारा को समृद्ध करती है। जीवनभर का पुण्य होने पर ही अमरकंटक आने का अवसर मिलता है। परमात्मा ने इस स्थान को जी भरकर आशीर्वाद दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माथुर ने अपनी अंतिम सांस तक भारत माता और नर्मदा माता की सेवा कर उनका आशीष पाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक में संचालित गौशाला के लिए अनुदान प्रारंभ कराने, कथा-प्रवचन के लिए पर्यावरण हितैषी आधुनिक भवन का निर्माण करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमरकंटक के हराभरा रहने से मध्यप्रदेश के गांव-गली-मौहल्लों में आनंद होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान के जरिए मध्यप्रदेश सरकार और जन अभियान परिषद राज्य के सभी पुराने जल स्त्रोतों को पुनर्जीवन देने की चिंता कर रही है। प्रदेश में तीन माह (गुढ़ी पड़वा से गंगा दशहरा तक) सभी जल स्त्रोतों का संरक्षण और जीर्णोद्धार किया जाएगा। माँ नर्मदा का यह स्थान भी इसी से जुड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने नर्मदा परिक्रमा मार्ग को विकसित करते हुए परिक्रमावासियों के लिए सभी सुविधाएं विकसित करने का संकल्प लिया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए नर्मदा नदी के किनारों पर अधिकाधिक पौध-रोपण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर विचार गोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन कर उन्हें नमन् किया साथ ही मंच पर उपस्थित संतों-महंतों एवं समाजसेवियों का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'पंच परिवर्तन' विषय पर हुई विचार गोष्ठी में कहा कि स्व. माथुर ने समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय होकर अमरकंटक में काम किया। मुख्यमंत्री ने समाजसेवी और नर्मदा समग्र के स्व. अनिल माधव दवे का भी स्मरण किया।

... शेष पृष्ठ 5 पर

## प्रधानमंत्री होंगे शामिल, आज शाम 4 बजे बिहार के नए सीएम का ऐलान

### एनडीए की बैठक में फाइनल होगा नाम, 15 अप्रैल को शपथ समारोह

**पटना।** बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा ने सोमवार को पटना डीएम, एसपी समेत सीनियर अधिकारियों की बैठक बुलाई। लोकभवन में चली इस बैठक में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर ब्रीफिंग दी गई। इससे पहले राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पहुंचे थे। दोनों के बीच करीब 30 मिनट मुलाकात हुई।

जानकारी के मुताबिक, सीएम नीतीश कल 3.30 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। कल 2 बजे प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी। वहीं 3 बजे जदयू विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए सीएम के नाम पर मुहर लगेगी। शाम 4 बजे शिवराज सिंह चौहान नए सीएम के नाम का ऐलान करेंगे। 15 अपैल को सुबह 11 बजे शपथ समरोह का आयोजन किया जाएगा। 14 अप्रैल का दिन भी बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। इस दिन सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की अंतिम बैठक होगी। बैठक के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। इसी के साथ मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

इसके तुरंत बाद एनडीए विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें नए नेता का चुनाव किया जाएगा। भाजपा की ओर से इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। कुल मिलाकर बिहार में सत्ता परिवर्तन की तस्वीर अब पूरी तरह साफ होने वाली है। अगले दो दिनों में न सिर्फ मुख्यमंत्री का नाम सामने आएगा, बल्कि नई सरकार का पूरा ढांचा भी तय हो जाएगा, जिस पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हुई हैं।

## दिमनी क्षेत्र में विस अध्यक्ष तोमर ने 6.40 करोड़ की लागत से 9 किमी सड़कों का भूमिपूजन किया

### -पंचमपुरा-मलुपुरा व जोंहा-पीपरीपुरा मार्ग निर्माण से ग्रामीणों को मिलेगा बेहतर संपर्क -विभिन्न पंचायतों में 33 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**

**मुरैना।** विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने सोमवार को दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा 9 किलोमीटर लंबी एवं 6 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से पंचमपुरा और जोंहा में दो सड़कों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने जनपद के माध्यम से विभिन्न पंचायतों में 33 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया।

इस अवसर पर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, जनपद अध्यक्ष सुश्री मधुरिमा तोमर, पूर्व मंत्री मुंशीलाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश सखवार, महंत बालक दास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्राम पंचायत पंचमपुरा में 2 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से 4 किलोमीटर लंबी पंचमपुरा से मलुपुरा सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायत जोंहा में 3 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से 5 किलोमीटर लंबी जोंहा से पीपरीपुरा मार्ग का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न पंचायतों में 33 अन्य निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत विकास को गति मिलेगी।

... शेष पृष्ठ 5 पर

## ऊर्जा मंत्री ने कहा- रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन के द्वारा अकल्पनीय सेवा हुई

### रोटरी ने चिकित्सकों को किया सम्मानित

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**

**ग्वालियर।** रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन 17 मार्च से 24 मार्च तक आयोजित किया गया। इसमें रोटरी के सदस्य, चिकित्सक, शासकीय कर्मचारी, समाज सेवी संस्थाओं सब ने मिलकर अकल्पनीय मानव सेवा की है। केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी की प्रेरणा से रोटरी रीनल मेडीकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन और उनकी टीम पिछले 4 महीनों से जो मेहनत कर रही थी उसी का परिणाम है कि इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में देश का सबसे बडा मेडीकल केम्प घोषित हुआ। यह बात मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने रोटरी क्लब ग्वालियर द्वारा आयोजित रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन एवं श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ सेवा मिशन में कार्य करने वाले चिकित्सकों के सम्माान समारोह में कही।

होटल साया जी सेन्ट्रल पार्क में गत दिवस ऊर्जामंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर के मुख्य आतित्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब ग्वालियर के अध्यक्ष रो.रोहित जैन ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ सेवा मिशन के कोर्डिनेटर पूर्व विधायक रमेश अगवाल, रीजनल डायरेक्टर हैल्थ डॉ.नीलम सक्सैना, डीन जीआर मेडीकल कॉलेज डॉ.आर.के.एस.धाकड, सीएमएचओ ग्वालियर डॉ.सचिन सक्सैना उपस्थित थे। डीजीएन प्रदीप पाराशर ने मिशन की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया जबकि डॉ. प्रियम्बदा भसीन, डॉ. रवि शंकर डालमियां, डॉ. वी.के. गंगवाल आदि ने रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन की उपलब्धियों की चर्चा की। रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि सारे मध्यप्रदेश में यह एक ऐसा सेवा मिशन था जिसके शिविर में रोबॉट सर्जरी की गई। लगभग 80 चिकित्सकों को स्मृतिचिन्ह एवं प्रशान्सा पत्र देकर सम्मानित किया गया। 4 सूत्रीय पाठ का वाचन रो.आर.पी. सिंह ने किया। संचालन रो. रोहित जैन, रो. शुभांगी चतुर्वेदी ने किया। आभार प्रदर्शन सचिव रो. अखिल अग्रवाल द्वारा माना गया। इस अवसर पर पीडीजी आर.एस.राठी, रो.राजकुमार शिवहरे, रो.मुकेश थिरानी,रो. दीपेश मालवीय, रो. उर्वशी जैन, रो. प्रभात भार्गव, रो. राजेन्द्र अर्ग्रवाल, रो.आदेश बंसल, रो. राकेश बाबू शर्मा, रो.ललित गुप्ता, रो.विद्यासागर ढोढी, रो.बालकिशन खण्डेलवाल आदि उपस्थित थे।

## महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 की मौत

### मृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर, वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

**ठाणे (महाराष्ट्र)।** महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दो लोग घायल हैं, जिन्हें उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है।

## अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभः विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

### विस अध्यक्ष तोमर ने 164 लाख से अधिक के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया

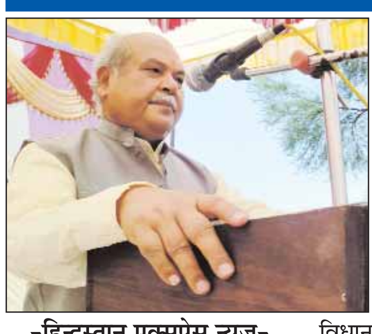

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**

**मुरैना।** विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और विकास की रफ्तार निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। वे दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत लल्लू बसई में पंचायतों में कुल 164.32 लाख रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, जनपद अध्यक्ष सुश्री मधुरिमा तोमर, पूर्व मंत्री श्री मुंशीलाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, सरपंच शिशुपाल सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता में हैं

... शेष पृष्ठ 5 पर


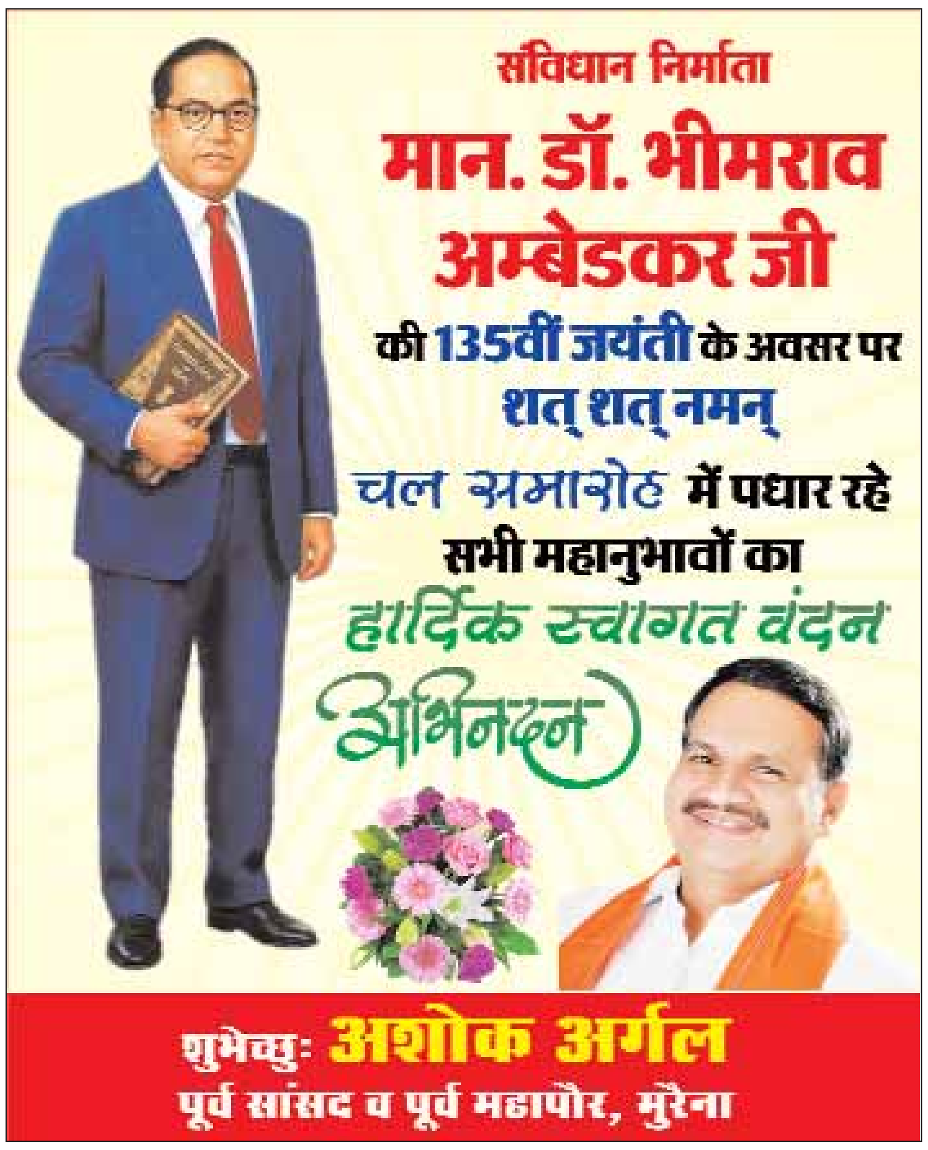

# मंगोलिया की इटूगेन यूनिवर्सिटी की मेडीकल शाखा में प्रवेश के लिए आयोजित किया लाँच कार्यक्रम

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**नईदिल्ली।** दिल्ली के इंडिया हेबिटेट सेंटर, लोदी रोड में Eduglobe Consultants द्वारा मंगोलिया की Etugen University का लाँच कार्यक्रम (शुभारंभ कार्यक्रम) आयोजित किया गया। Eduglobe Consultants के डायरेक्टर व्योम जायसवाल हैं और यह कंपनी बच्चों को मैडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर के देशों के मैडिकल कालिजों में भेजती है। यह लाँच कार्यक्रम एटुगेन यूनिवर्सिटी के लिए था और व्योम जायसवाल भारत में इस यूनिवर्सिटी के एकल प्रतिनिधि हैं और बच्चों को इस यूनिवर्सिटी में मैडिकल पढ़ाई के लिए भेजने का इन का एकल अधिकार है। जो बच्चे मैडिकल की पढ़ाई के लिए मंगोलिया की इस यूनिवर्सिटी में जाना चाहते हैं या जो सलाहकार (consultants) बच्चों को मैडिकल की पढ़ाई के लिए मंगोलिया या किसी दूसरे देश की यूनिवर्सिटी में भेजना चाह रहे हों वे व्योम जायसवाल से संपर्क कर सकते हैं।

दिल्ली के हैबिटैट सैंटर में हुए लाँच समारोह में एटुगन यूनिवर्सिटी की डायरेक्टर श्रीमति नासांबायार बावगाए, मंगोलिया एंबेसी के डिप्लोमैट श्री बायासुरेन टनून ने एटुगन यूनिवर्सिटी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जानकारी दी की एटूकन यूनिवर्सिटी में सभी बेहतरीन सुविधाएं हैं। एडूगलोब कंसल्टैंट कंपनी के डायरेक्टर व्योम जायसवाल ने अपनी कंपनी व बच्चों को बाहर के देशों में मैडिकल की पढाई के लिए भेजने की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में ग़ाज़ियाबाद से सांसद अतुल गर्ग के पुत्र राघव गर्ग ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच पर आसीन प्रदीप जायसवाल, शोभित जायसवाल व पुष्पेंद्र भाटिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अंत में कार्यक्रम म देश के विभिन्न भागों से आऐ करीब 70 कंसलटेंट को प्रमाण पत्र दिए गए।

# जीवाजी क्लब वूमेंस क्रिकेट लीग 2.0: धुरंधर दिवाज की टीम बनी चैंपियन

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**ग्वालियर।** जीवाजी क्लब वूमेंस क्रिकेट लीग 2.0 का भव्य आयोजन जीवाजी क्लब के क्रिकेट टर्फ ग्राउंड पर हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव (आईएएस) सुश्री विदिता डागर (आईपीएस) ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर वूमेंस क्रिकेट लीग का शुभारम्भ किया। जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, सचिव संजय वर्मा, वाइस प्रेसिडेंट अमित गुप्ता, ट्रेजरार संजय नीखरा, स्पोर्ट सेकेट्री रमन झाम ने अतिथियों का स्वागत किया। वूमेंस क्रिकेट लीग 2.0 में चार टीमों ने भाग लिया।
प्रारंभ के मैच में धुरंधर दिवाज की टीम ने जीवाजीयन जगुआर को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया, वहीं स्काई वॉरियर टीम को सनराइजर्स टीम ने पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला टीम धुरंधर ओर सनराइजर्स के बीच खेला गया जिसमें टीम धुरंधर ने सनराइज़र्स को हराकर ट्रॉफी जीत ली, विजेता टीम की कप्तान गजल गुप्ता ओर उप विजेता टीम की कप्तान स्वाती शिवहरे थीं। प्लेयर्स ऑफ टूर्नामेंट का खिताब शिल्पी राठी को, बेस्ट बैट्समैन का खिताब कीर्ति बंसल को, वहीं बेस्ट बॉलर का खिताब नीतिका मंगल को तो बेस्ट फील्डर का खिताब तनुजा सप्रा को मिला। विजेताओं को पुरस्कार स्पेशल जज ॠतुराज सिंह एवं श्रीमती स्वाति सिंह प्रिंसिपल प्रेस्टीज कॉलेज ने दिए ओर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। जीवाजी क्लब के सचिव संजय वर्मा ने क्लब की खेल गतिविधियों की जानकारी साझा की। आभार प्रदर्शन जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ ने किया।
आज के समारोह में वूमेंस क्रिकेट लीग 2.0 के कॉर्डिनेटर रेणु सेठी, रुचि गोयल, गगन भल्ला, दुर्गेश चौरसिया, विवेक सेठी, स्पोर्ट सेकेट्री रमन झाम, पूर्व अध्यक्ष संग्राम कदम, पूर्व सचिव डॉ. नीरज कौल, कार्यकारिणी सदस्य अनुराग शिवहरे, मधुर मित्तल, अमर सिंह राठौड़, राजीव गुप्ता, दुर्गेश चौरसिया, जितेंद्र गुप्ता, आशीष दुबे, अतुल जैन, पारस जैन, जय खांडे, अनुराग शर्मा सहित सैकड़ों खिलाड़ी, जीवाजी क्लब के युवा एवं वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

# पाँच दिवसीय प्रतियोगिता का समापन हुआ

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**मुरैना/जौरा।** सांदीपनि विद्यालय जौरा में बाबा साहेब आंबेडकरजी की जयंती के अवसर पर 05 दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कारों का भी वितरण किया गया। इसमें जिन छात्रों द्वारा इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया। उन बच्चों द्वारा रंगोली बनाई गई विभिन्न प्रकार के चित्र बनाए गए वाद-विवाद तथा भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया। जिसके लिए छात्र छात्राओं को पुरुषकृत किया गया। बीआरसी राजीव सिंह जादौन द्वारा बच्चों को बताया गया कि इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए तथा सभी बच्चों को इसमें सहभागिता करनी चाहिए जिससे महापुरुषों के बारे में जानकारी भी प्राप्त होती है और खेल-खेल में प्रतियोगिता होने पर बच्चे आनंद का अनुभव करते हैं। इसके साथ ही जनपद पंचायत जौरा के द्वारा अपने विभिन्न हितग्राहियों को भी विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसमें मुख्य रूप से वृद्धावस्था पेंशन, विभिन्न प्रकार की पेंशन तथा अन्य योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा अनुरोध किया गया शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ उठाया जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुलदीप श्रीवास्तव द्वारा सभी लोगों से विशेष कर महिलाओं से इस संबंध में योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की गई। नगर पालिका जौरा द्वारा भी इस अवसर पर अपनी योजनाओं की जानकारी दी गई और हितग्राहियों को विभिन्न प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर पंचायत के उपाध्यक्ष राजेश राजपूत, संस्था के प्राचार्य बैजनाथ त्यागी, संकुल सह समन्वयक प्रमोद शर्मा, जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी और शिक्षा विभाग के सदस्य संस्था के सभी शिक्षक और बच्चे उपस्थित रहे।

## शपथ ग्रहण समारोह

# अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद का 'संकल्प सिद्धि समारोह' भव्यता के साथ सम्पन्न

### सोनल जैन अध्यक्ष, संगीता पांड्या सचिव, ममता जैन बनीं कोषाध्यक्ष

### महिलाओं के स्वरोजगार, चिकित्सा, शिक्षा के क्षेत्र में करेंगे कुछ अलग कार्य

### वोकल फॉर लोकल' के तहत स्वदेशी हस्त निर्मित सामान को देंगे बढ़ावा: सोनल जैन

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**ग्वालियर।** अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद द्वारा 'संकल्प सिद्धि समारोह' का आयोजन रविवार, 12 अप्रैल को महावीर भवन, कम्पू में अत्यंत हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद संध्या राय उपस्थित रहीं। उन्होंने परिषद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ दीं।

**विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति**
समारोह में परिषद की प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर की वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर अध्यक्ष सोनल जैन, सचिव संगीता पांड्या, कोषाध्यक्ष ममता जैन को प्रांतीय अध्यक्ष माधवी शाह ने नई टीम को शपथ दिलाई। वहीं राष्ट्रकारिणी अध्यक्ष आदर्श दीवान द्वारा संभाग अध्यक्ष को शपथ दिलाई गई।
कार्यक्रम में मधु बड़जात्या (प्रांतीय सचिव), बीना गंगवाल (प्रांतीय गतिविधि सचिव), साधना जैन (प्रांतीय कोषाध्यक्ष), विनीता पाटौदी (संभाग अध्यक्ष), अंजू गंगवाल एवं अंगूरी जैन (प्रांतीय उपाध्यक्ष) सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

**एकजुटता और सेवा का संकल्प**
समारोह में स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर के पदाधिकारी, परिषद की पूर्व अध्यक्षाएं एवं बड़ी संख्या में महिला सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ विनीता गोधा एवं डॉ मनोरमा पांड्या द्वारा किया गया। आयोजन में रेनू छाबड़ा, नीलम जैन, प्रीति गोधा, श्वेता टोंग्या, आयुष्या जैन , एकता बाकलीवाल, प्रतिभा अजमेरा एवं डॉली गंगवाल का विशेष योगदान रहा।

**सेवा कार्य से नवीन टीम का कार्यकाल शुरू**
इस अवसर पर परिषद द्वारा सेवा कार्यों की प्रेरणादायक पहल भी की गई। साधना जैन एवं विनीता पाटौदी द्वारा एक जरूरतमंद बच्ची को ट्राय साइकिल भेंट की गई, वहीं दीपा जैन द्वारा दो बच्चों की एक वर्ष की शिक्षा का दायित्व लिया गया। इसके साथ ही परिषद की सभी बहनों ने स्वर्ग सदन में नए आशियाने के निर्माण हेतु ईंटों का सहयोग प्रदान किया।

**स्वदेशी और कलात्मकता का अद्भुत संगम**
समारोह की विशेषता इसकी स्वदेशी थीम रही। 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को अपनाते हुए सभी सदस्यों ने हथकरघा से बने वस्त्र धारण किए। अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में बांस से निर्मित उत्पाद एवं क्रोशिया से बनी हस्तशिल्प कलाकृतियां भेंट की गईं। हस्तनिर्मित वस्तुओं ने कार्यक्रम को एक अलग पहचान दी और स्थानीय कला व कारीगरों को बढ़ावा देने का सशक्त संदेश दिया। उपस्थित अतिथियों ने परिषद की इस रचनात्मक पहल की सराहना की।

**अन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति**
समारोह में डॉ. वीरेंद्र गंगवाल, अजीत वरैया, प्रशांत गंगवाल, निर्मल पाटनी, शरद गंगवाल, बालचंद जी, सुमतिचंद जी, शैलेंद्र जैन, पंकज छाबड़ा, राजेंद्र जैन (एडवोकेट), मुकेश पहाड़िया सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने समाज सेवा, संगठन की मजबूती एवं संस्कारों के संरक्षण के लिए एकजुट होकर संकल्प लिया।

# रघु ठाकुर आज मुरैना आयेंगे

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**मुरैना।** सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट चिंतक एवं राजनेता रघु ठाकुर 14 अप्रैल को मुरैना में रहेंगे। महात्मा गांधी सेवाश्रम जौरा में श्री ठाकुर पहला डॉ एस एन सुब्बाराव स्मृति व्याख्यान देंगे। व्याख्यान का विषय डा. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के वैचारिक संश्लेषण पर केन्द्रित है। चौदह अप्रैल बाबासाहब आंबेडकर की जयंती का दिन है। इसी दिन चौवन साल पहले सैकड़ों बागियों ने महात्मा गांधी के चित्र के सामने आत्मसमर्पण कर शांतिपूर्ण जीवन का व्रत लिया था। रघु ठाकुर को व्याख्यान के लिए निमंत्रण लगभग दो महीने पहले एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी.वी. और महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव स्वर्गीय डॉ रनसिंह परमार ने दिया था। श्री ठाकुर 13 अप्रैल की शाम शताब्दी एक्सप्रेस से मुरैना पहुंचे हैं। स्थानीय विश्राम गृह में वे सुबह दस बजे तक मुरैना के साथियों से मिलेंगे फिर जौरा के गांधी आश्रम पहुंचेंगे। कार्यक्रम के बाद श्री ठाकुर ग्वालियर रवाना होंगे और 15 अप्रैल को ग्वालियर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उक्त जानकारी जयन्त सिंह तोमर ने दी।

# पेंशनरों को करना पड़ रहा है आर्थिक परेशानी का सामना

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**मुरैना/जौरा।** मध्य प्रदेश शासन की मनमानी एवं हठधर्मिता के चलते पेंशनरों के परिवरीजन विधवा एवं आश्रित बच्चों बेटियां परेशानियां झेल रहे हैं। ऐसा कहना है वरिष्ठ पेंशनर इंजीनियर आर.के. पाराशर का। प्रेस को दिए अपने लिखित वक्तव्य में पाराशर का कहना है कि मध्य प्रदेश में सरकार हवाई जहाज खरीद रही है, लगभग 1 लाख से अधिक फैमिली पेंशनर है। उनके आश्रित बच्चों विधवा बेटियां बच्चे भी हैं, जो अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश शासन उनको छठवें वेतनमान की पुनरीक्षित पेंशन जो कि 01 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक 32 माह की तथा सातवें वेतनमान की पुनरीक्षित पेंशन जो कि 01 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक 27 माह का बकाया एवं अखिल भारतीय मूल्य सूचकांक औद्योगिक श्रमिकों का के आधार पर देय तिथि एवं दर से जुलाई 2019 से नहीं दिया जा रहा है तथा वृद्धावस्था में जब रोगों की अधिकता होती है। कोई फिक्स मेडिकल भत्ता भी नहीं सरकार दे रही है। अधिकांश फैमिली पेंशनर निरक्षर की श्रेणी की होने के कारण शासन को अपनी पीड़ा भी नहीं बता पा रही है और न्याय महंगा होने से अपनी पीड़ा भी किसी न्यायालय को भी नहीं बता पा रही है। किसी भी समाजसेवी और उनके संगठनों का ध्यान भी पेंशनरों की दुर्दशा की ओर नहीं है, वहीं भारत सरकार तो अब जनित याचिका भी खत्म करने का मन बना चुकी है। अब केवल ईश्वर यह उसकी प्रेरणा से कोई सामाजिक कार्यकर्ता भले ही फैमिली पेंशनर्स की पीड़ा का आभास शासन को कर सके।

# दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, ग्रेटर ग्वालियर द्वारा आयोजित प्रसिद्ध किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास जैन के साथ हेल्थ टॉक शो

### किडनी से सम्बंधित रोगों के बारे में विस्तार बताया

### अपनी डाइट में प्रोटीन अवश्य लें, नियमित किडनी की जांच कराते रहें, पानी पीते रहें: डॉ विकास जैन

### स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के डॉ. जैन ने सरल एवं संतोषजनक जवाब दिये

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**ग्वालियर।** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा आज होटल क्लार्क इन में एक विशेष हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश के प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी रोग सर्जन, मणिपाल हॉस्पिटल (दिल्ली) के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन ने स्वास्थ्य विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।
कार्यक्रम में डॉ. जैन ने किडनी से जुड़ी बीमारियों, उनके बचाव, संतुलित जीवन शैली तथा नियमित जांच के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अब तक वे 1500 से अधिक सफल किडनी ट्रांसप्लांट कर चुके हैं तथा ग्वालियर में पहला किडनी प्रत्यारोपण भी उनके द्वारा ही किया गया था।
संस्था अध्यक्ष आशीष जैन (बैंक) ने बताया कि ग्रुप द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य एवं मानव सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में यह हेल्थ टॉक मणिपाल हॉस्पिटल दिल्ली के मैनेजर दिलीप शर्मा के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. जैन ने सरल एवं संतोषजनक उत्तर दिया। साथ ही उन्होंने देहदान एवं अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसमें सहभागिता के लिए भी सभी को प्रेरित किया।
इस अवसर पर अनिल शाह, पारस जैन, अनिल जैन, अनुपम चौधरी, मुकेश जैन, संजय जैन, अंबरीश जैन, आशीष जैन (अध्यक्ष), अमित भंडारी (सचिव), रुपेश जैन (कोषाध्यक्ष), अमित रोमी, कौशल जैन, ठाकुर आशीष, पीयूष जैन, भानु जैन एवं जैन समाज के प्रवक्ता ललित जैन भारती सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।
महिला सदस्यों में महिमा चौधरी, प्रियंका जैन, रेखा जैन, राखी जैन, मिनी जैन, सारिका जैन, मनीषी जैन, सीमा जैन, मृणाली जैन, प्रिया जैन, मधु जैन आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

# गन्ना उत्पादक किसानों की बैठक सम्पन्न

## विधायक ने गन्ना उत्पादन के लिए दिए 5 लाख रुपए

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**
**मुरैना/जौरा।** शक्कर कारखाना चलाओ संघर्ष समिति एवं गन्ना उत्पादक प्रोत्साहन समिति द्वारा शक्कर कारखाना प्रांगण में क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों की वृहत बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंकज उपाध्याय( विधायक जौरा) के साथ सैकड़ों किसानगण, कृषि विभाग के एडीए रविंद्र कुमार सिंह, एडीए अशोक कुमार जायसवाल, मुनीश रावत एसएडीओ कैलारस उपस्थित रहे। बैठक में विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा कि कैलारस शक्कर कारखाना चंबल क्षेत्र की आर्थिक धुरी हुआ करता था, जब से कारखाना बंद हुआ है किसानों में भारी निराशा है। किसान फिर से गन्ना उत्पादन करना चाहते हैं, अगर सरकार मदद करें तो निश्चित रूप से गन्ना उगाया जा सकता है। जैसा कि सरकार में बैठे मंत्री कह रहे हैं कि अगर किसान गन्ना उगाएगा तो शक्कर कारखाना प्रारंभ हो सकता है। हम गन्ना उगाने के लिए लगभग 5000 किसान अपनी सहमति दे चुके हैं, परंतु सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। विधायक ने कहा कि अधिकारियों से बात करने पर ट्रेनिंग और बीज के लिए फंड की कमी बताई जाती है तो मैं अपने विधायक निधि से 5,00,000 किसानों को गन्ना उत्पादन के लिए देता हूं। आप किसानों को तकनीक एवं बीज उपलब्ध करा दें ताकि किसान गन्ना उगा सके।
बैठक में गन्ने के बीज उपलब्ध कराने एवं किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके फलस्वरूप 16 अप्रैल को अनाज मंडी प्रांगण में 100 किसानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया। किसानों ने गन्ना खरीद की सरकारी गारंटी सुनिश्चित करने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई। चर्चा के अंत में सभी किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों के समक्ष हजारों बीघा क्षेत्र में गन्ना उत्पादन करने का संकल्प लिया। अपने अपने गांव में गन्ना उगाने के लिए जीवन लाल त्यागी भटपुरा, राजेश धाकड़ किसरोली, सुग्रीव सिंह यादव मामचोन, समर सिंह धाकड़ गस्तौली, वीरेंद्र सिंह धाकड़ कोंडा, भूषण सिंह धाकड़ रिझौनी, कप्तान सिंह धाकड़ बूढ़सिरथरा, हरिराम धाकड़ सिंगाचोली, हरिराम धाकड़ लुधाया, रामप्रकाश धाकड़ चुन्नीपुरा, दिनेश धाकड़ धूरकूड़ा, सरवन लाल धाकड़ बस्तौली ने किसानों को ट्रेनिंग दिलाने की बात कही।
बैठक में प्रमुख रूप से लक्ष्मी नारायण त्यागी ग्राम बुधेरा संयोजक गन्ना उत्पादन कृषक समिति रामस्वरूप शर्मा ग्राम मोहना बृजमोहन मरैया (विधायक प्रतिनिधि), ओमप्रकाश श्रीवास, सुरेश उपाध्याय (पूर्व पार्षद), राजवीर धाकड़ (माकपा), हरिराम धाकड़ (सिंगाचोली), हरिराम धाकड़ (लुधाया), हरेंद्र सिंह जादौन (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कैलारस), सुरेश उपाध्याय वीरेंद्र धाकड़ (ब्लॉक अध्यक्ष, किसान कांग्रेस कैलारस), कृषकगण जीवनलाल त्यागी, राजेश धाकड़ (किसरौली), सुग्रीव सिंह यादव (मामचौन), सुमेर सिंह धाकड़ (गस्तौली), भूषण सिंह धाकड़ (सरपंच, रीझौनी), कप्तान सिंह धाकड़ (बूढ़ सिरथरा), रामप्रकाश धाकड़ (चुन्नी का पुरा), दिनेश धाकड़ (धूरकूड़ा), सरवनलाल धाकड़ (बस्तौली), कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरारीलाल अमर (शहर अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी जौरा), ओमप्रकाश शाक्य (पूर्व सरपंच, तोरिका), साबिर पठान, शम्मा कुरैशी (पार्षद), मोहित शुक्ला (पार्षद), अनुराग दुबे (सरपंच, सुजर्मा), अशोक जाटव आदि उपस्थित रहे।

# नेतृत्व सक्षम हाथों में हो तो विकास सुनिश्चित है: पूर्व सांसद शेजवलकर

**– सीसी सड़कों का लोकार्पण एवं 21 दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण**

ग्वालियर। शहर के वार्ड 55 में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में सोमवार, 13 अप्रैल 2026 को खजांची बाबा पर सभापति निधि द्वारा डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अनेक सीसी सड़कों का लोकार्पण एवं 21 दिव्यांग हितग्राहियों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि वार्ड 55 के इस क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और सभापति मनोज तोमर की सक्रियता के चलते वार्ड में पानी सीवर एवं सड़क की समस्याओं

का निराकरण हुआ है और निरंतर क्षेत्र का विकास कार्य चलता ही रहेगा। उन्होंने कहा कि नेतृत्व यदि सक्षम हाथों में हो तो विकास सुनिश्चित होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सभापति मनोज तोमर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए मैं हमेशा तत्पर रहता हूं हमारे यहां जो भी क्षेत्र की किसी भी समस्या के लिए आता है मैं लगातार विकास के लिए निगम प्रशासन जिला प्रशासन एवं शासन तक प्रयास कर समस्या का निराकरण करने के लिए संघर्ष करता हूं आज इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में विकास के कार्य लगातार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां पास में ही शहर का सबसे बड़ा कचरा डंपिंग क्षेत्र था जिसे मैं खत्म कराया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंझवार, लियाकत चाचा, अख्तर अली, अशोक खान, सलीम अब्बासी, यूनुस रजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष मुरारी मित्तल ने किया।

## मकान में लगी आग, ट्रैक्टर-स्कॉर्पियो समेत बाइक-स्कूटी जले

**ग्वालियर।** मुरार उपनगर में रविवार-सोमवार दरमियानी रात करीब 2.30 बजे एक मकान में भीषण आग लग गई। घटना प्रेमशंकर नारायण के बाड़े में संकल्प हॉस्पिटल के पास की है। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के घरों तक लपटें पहुंच गईं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मकान मालिक बल्ली कांदिल के अनुसार घर के सामने वाले हिस्से में निर्माण का काम चल रहा था। वहीं, पीछे परिवार निवास करता है। रात में पड़ोसियों ने आग लगने की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। आग की लपटें तेज होने के कारण पड़ोसी घरों की दीवारें भी झुलस गईं। धुएं और आग से घबराकर आसपास के लोग अपने बच्चों के साथ घर छोड़कर सड़क पर आ गए। आग में एक ट्रैक्टर, एक स्कॉर्पियो कार, तीन बाइक और एक स्कूटी जल गई। घटना में लाखों रुपए के नुकसान की बात सामने आई है। मकान मालिक और स्थानीय लोगों ने बोरिंग पंप चालू कर पाइप से पानी डालना शुरू किया। आसपास के घरों से भी पानी डालकर आग बुझाने में मदद की गई।मकान मालिक ने बताया कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची। जिस स्थान पर आग लगी वहां बिजली कनेक्शन नहीं था। ऐसे में शॉर्ट सर्किट की संभावना नहीं है। वाहनों में स्पार्किंग और पेट्रोल-डीजल के कारण आग भड़कने की आशंका जताई गई है।

# कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने 245 बदमाशों को पकड़कर हवालात पहुंचाया

**- 285 पुराने गुंडों और हिस्ट्रीशीटरों को घर पहुंचकर किया चेक**

**ग्वालियर।** रविवार-सोमवार की दरमियानी रात काम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच चोर पुलिस का खेल हुआ। पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात कॉम्बिंग गश्त की। पुलिस ने रातभर में 245 बदमाशों को पकड़कर हवालात पहुंचाया, जबकि 285 पुराने गुंडों और हिस्ट्रीशीटरों को घर पहुंचकर चेक किया। ग्वालियर में एक स्थायी वारंटी ने जैसे ही पुलिस को देखा तो बालकनी से कूदकर सड़क पर दौड़ लगा दी, लेकिन पहले से ही मुस्तैद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। रातभर बदमाश पुलिस को देखकर भागते रहे और पुलिस घेराबंदी कर उन्हें पकड़कर हवालात पहुंचाती रही। कॉम्बिंग गश्त अभियान में 245 बदमाश पकड़े गए, जिनमें 134 स्थायी और 111 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। साथ ही 147 गुंडों और 138 हिस्ट्रीशीटरों को भी पुलिस ने चेक किया गया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान अवैध शराब के 3 मामले दर्ज हुए, जबकि जुआ सट्टा में 13 आरोपियों को भी दबोचा गया।

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि जिले में अमन चैन के लिए लगातार बदमाशों की धरपकड़ करने कॉम्बिंग गश्त की जाती है। जिसमें उन बदमाशों के खिलाफअभियान चलाया जाता है, जो लगातार पुलिस को चकमा देते हैं। इनके साथ ही उन बदमाशों को चेक किया जाता है जो पूर्व में बदमाशी में शामिल रहे हैं। ताकि पता चल सके कि वह फिर से वारदातों में शामिल तो नहीं हो रहे हैं। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बदमाशों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। चेकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बदमाश को चेतावनी दी गई कि यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उनके विरूद्ध सख्त एक्शन लिया जाएगा। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जेल से रिहा होकर आए आरोपियों को भी चेक किया गया। पुलिस कप्तान के निर्देश पर सभी थाना प्रभारी अपने बल के साथ इलाके में निकले और पैदल गश्त किया। इस दौरान जो भी संदेही दिखा, उसे रोका गया और उससे पूछताछ की। इस दौरान उनके द्वारा फरारी बदमाशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटरों एवं जिलाबदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबों को भी चेक किया। देर रात जैसे ही पुलिस कप्तान गश्त की कार्रवाई का जायजा लेने के लिए फील्ड में आए तो गश्त में निकले अफसरों और जवानों का एक्शन शुरू हो गया। वहीं एएसपी अनु बेनीवाल, विदिता डागर, सुमन गुर्जर और जयराज कुबेर ने गश्त की मॉनिटरिंग की।

# शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का मंत्र दिया था बाबा साहब ने: विधायक डॉ. सिकरवार

**– विधायक डा. सिकरवार ने 16 स्थानों पर किया माल्यार्पण**

**–7100 वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान, एक लाख लोगों के लिए भंडारा आज**

**ग्वालियर।** संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में व्याप्त छुआछूत, जातिवाद और असमानता के खिलाफकड़ा संघर्ष किया। उन्होंने दलितों, शोषितों, पिछड़ों और महिलाओं के अधिकारों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि शिक्षा ही सशक्तिकरण का एकमात्र रास्ता है, इसीलिए उन्होंने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मंत्र दिया। बाबा साहब का भारतीय समाज में योगदान विशाल और विविध है ,जो एक समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, राजनेता और कानूनी विद्वान के रूप में उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को दर्शाता है। यह विचार कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के पूर्व सोमवार को आयोजित कार्यक्रमों में व्यक्त किये।

विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ग्वालियर पूर्व विधानसभा में 16 स्थानों पर जहां बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित है, वहां सभी स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वरिष्ठजन महिला एवं पुरूषों का सम्मान एवं समता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया, उसके पश्चात् 7100 वरिष्ठजन महिला-पुरूषों का पुष्पमाला पहनाकर एवं श्रीफल व वस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया और सभी स्थानों पर समता भोज का भी आयोजन किया गया ,जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया । कार्यक्रमों में विधायक डॉ. सिकरवार ने आमजनों का संबोधित करते हुये कहा कि बाबा साहब ने समाज में व्याप्त अस्पृश्यता, जातिवाद और असमानता के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई। बाबासाहेब का जीवन संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय का अद्भुत प्रतीक है। उनके विचार आज भी हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने भारतीय समाज को न केवल समानता और न्याय का संदेश दिया, बल्कि हर व्यक्ति के अधिकारों के लिए संघर्ष भी किया। बाबासाहेब ने अपना पूरा जीवन छुआछूत और जातिवाद जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाने में समर्पित कर दिया। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सिर्फ एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत थे।

### अंबेडकर पार्क में एक लाख श्रृद्धालुओं का भंडारा आज

डॉ. भीमराव अम्बेडकर पार्क फूलबाग में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार 14 अप्रैल को भारत रत्न, संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर एक लाख श्रृद्धालुओं के भण्डारा (प्रसादी) का आयोजन कर रहे है। आयोजन की तैयारिआं पूरी कर ली गई है। सुबह 9 बजे विधायक डॉ. सतीश सिकरवार बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करेंगे, जिसके बाद भण्डारा (प्रसादी) का आयोजन शुरू किया जायेगा, जो कि देर रात तक चलेगा।

# बल्क में गैस उपयोग करने वाले उपभोक्ता पीएनजी गैस कनेक्शन अवश्य लें: कलेक्टर श्रीमती चौहान

**ग्वालियर** । शहर में संचालित मैरिज गार्डन, होटल एवं व्यवसायिक उपभोक्ता अपने यहाँ पर पीएनजी गैस का कनेक्शन लें। शहर में अवंतिका एवं राजस्थान गैस एजेंसी के माध्यम से पाइप लाइन बिछाई गई है। सभी बल्क उपभोक्ता अपने-अपने यहां पर पीएनजी गैस कनेक्शन अवश्य लें। शहर में जिन क्षेत्रों में गैस लाइन उपलब्ध है उन स्थानों पर गैस का कनेक्शन न लेने वालों को आने वाले दिनों में व्यवसायिक सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जायेगा। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रविवार को मैरिज गार्डन संचालक, होटल व्यवसायी के साथ-साथ बल्क गैस उपभोक्ताओं के साथ बैठक में कही।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि शहरी क्षेत्र में अवंतिका गैस एजेंसी एवं ग्रामीण क्षेत्र में राजस्थान गैस एजेंसी के माध्यम से पाइपलाइन

बिछाने का कार्य किया गया है। सभी मैरिज गार्डन संचालक और होटल प्रबंधक अपने-अपने संस्थानों में पीएनजी गैस कनेक्शन प्राप्त कर लें। इसके लिये अवंतिका गैस के संचालकों को अपना-अपना आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि तत्परता से गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि मैरिज गार्डनों में जिस प्रकार विद्युत बिल उपभोक्ताओं से लिया जाता है, उसी प्रकार गैस के उपयोग पर खर्च होने वाली राशि भी प्राप्त की जा सकती है। पीएनजी गैस कनेक्शन लेने से मैरिज गार्डन एवं होटल संचालकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं बल्कि सुविधा ही उपलब्ध होगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने यह भी निर्देशित किया कि शहर में संचालित सभी मैरिज गार्डन संचालक अपने-अपने मैरिज गार्डन में निर्माण कार्यों की अनुमति, फायर एनओसी, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था एवं कचरा प्रबंधन के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी मैरिज गार्डनों में पार्किंग की पुख्ता व्यवस्था होना चाहिए।

नगर निगम के अपर आयुक्त प्रतीक राव ने शहर के सभी मैरिज गार्डन संचालकों से कहा कि शासन के नियमानुसार सभी मैरिज गार्डनों को अपने अपने यहां निर्माण कार्य की अनुमति निगम से लेना जरूरी है। इसके साथ ही फायर एनओसी और मैरिज गार्डनों में एकत्र होने वाले बल्क कचरा प्रबंधन के लिये भी नगर निगम से अनुबंध करना आवश्यक है। सभी संचालक शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित करें। नियमों का पालन न करने पर नगर निगम के माध्यम से मैरिज गार्डन संचालकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में अवंतिका गैस एजेंसी के संचालकों ने शहर में एजेंसी के माध्यम से जिन-जिन क्षेत्रों में पाइप लाइन डाली गई है, उसके बारे में जानकारी दी।

**अजाक्स ने मनाई संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ अंबेडकर जयंती**

# उत्कृष्ट कार्य के लिए 501 समाजसेवियों का किया सम्मान

**ग्वालियर।** म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) रेसकोर्स रोड़ 27ए मेला ग्राउंड के सामने जिला ग्वालियर द्वारा संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने बताया कार्यक्रम मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव एवं कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ सतीश सिकरवार थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय कुमार पिपरोलिया ने की एवं प्रांतीय सचिव होतम मौर्य, प्रांतीय सयुक्त सचिव शैलेन्द्र प्रताप कदम, संभागीय संरक्षक शांतिप्रकाश राजौरिया संभागीय अध्यक्ष इंजी केवी दोहरे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव मंचासीन थे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष

दुर्गेश कुंवर सिंह ने कहा डॉ अंबेडकर साहब चाहते थे कि पुरूषों के साथ साथ महिलाओं को शिक्षा से लेकर समस्त क्षेत्रों में बराबरी का अधिकार मिले क्योंकि महिलाओं के आगे बढ़ने से समाज की तरक्की को मापा जाता हैं महिलाओं को आगे बढ़ने से दो परिवारों को तरक्की मिलती हैं। विधायक डॉ सतीश सिकरवार ने कहा डॉ अंबेडकर साहब ने भारत को संविधान में भारत की जनता को मान सम्मान एवं अधिकार दिए है डॉ अंबेडकर त्याग तपस्या बलिदान का संपूर्ण भारत ऋणी है सब समाजों के तरक्की के रास्ते डॉ अंबेडकर ने खोले हैं डॉ बाबा साहब अंबेडकर भारतवासियों के लिए प्रेरणाश्रोत है उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए आखिरी श्वास तक कार्य करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं 501 समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। सम्मानित व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र श्रीफल प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने कहा कि डॉ बाबा साहब के बताए मार्गकृ÷शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो÷कृको आत्मसात कर समाज को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सामाजिक एकता एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सतत प्रयास करने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष एन डी मौर्य एवं आभार जिला सचिव राजेंद्र पक्षवार एवं जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र जयंत ने व्यक्त किया।

# आध्यात्मिक जीवनशैली अपनाने से नशे से दूर रहा जा सकता है: प्रहलाद भाई

**– पुलिसकर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति शिविर का हुआ आयोजन**

**ग्वालियर।** 14वीं वाहिनी वि. स. बल ग्वालियर के द्वारा पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए 14वीं वाहिनी के सेनानी संजीव कुमार सिन्हा के निर्देशन में तथा सहायक सेनानी रत्नेश तोमर के मार्गदर्शन मे मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय ग्वालियर के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के शुभारंभ में ब्रह्माकुमारीज केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी ने नशा से दूर रहने के लिए के लिए सरल एवं व्यावहारिक उपाय बताते हुए कहा कि व्यवस्थित दिनचर्या, योग एवं ध्यान का अभ्यास

हमें अपनी नियमित दिनचर्या में करना चाहिए। दीदी ने कहा कि जब मन संतुष्ट और शक्तिशाली होता है, तब व्यक्ति को किसी भी प्रकार के नशे की आवश्यकता महसूस नहीं होती। लेकिन जब व्यक्ति के जीवन में किसी भी प्रकार कि चिंता आती है तो व्यक्ति नशे कि तरफ जाने का प्रयास करता है जबकि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप मे मोटिवेशनल स्पीकर बीके प्रहलाद भाई ने कहा कि आज का मनुष्य बाहरी पहचान, पद, प्रतिष्ठा और भौतिक उपलब्धियों में इतना उलझ गया है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल चुका है। जबकि सच्चाई यह है कि जब व्यक्ति स्वयं को आत्मा के रूप में पहचानता है, तभी उसके भीतर आत्मविश्वास, आंतरिक शांति और मानसिक संतुलन का वास्तविक विकास होता है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने जीवन में सकारात्मक सोच, आत्म-संयम, नियमित ध्यान (मेडिटेशन) और आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाते हैं, तो हम न केवल नशे से दूर रह सकते हैं, बल्कि एक सशक्त और संतुलित जीवन भी जी सकते हैं। कार्यक्रम में 14वीं वाहिनी से डॉ ओम प्रकाश वर्मा ने कहा कि यदि किसी को ड्रग एडिक्शन है उसे नशे की बीमारी है और उसकी इलाज लेना बहुत जरूरी है।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम सामाजिक न्याय की प्रतिज्ञा है: सांसद श्रीमती राय

**ग्वालियर।** लोकसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा रखे गये नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं है, बल्कि सदियों से प्रतिक्षित उस सामाजिक न्याय की प्रतिज्ञा है जिसे प्रधानमंत्री ने धरातल पर उतारा है। यह विधेयक महिलाओं को केवल वोट बैंक समझने वाली मानसिकता को ध्वस्त कर ऐतिहासिक काम करेगा। यह बात भाजपा की भिंड दतिया की सांसद संध्या राय ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहीं।

सांसद श्रीमती राय ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा ने नारी शक्ति को बढ़ावा देने तथा उन्हें और अधिक अधिकार देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में पेश किया है। देश में इस अधिनियम के बाद लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत तक महिलाओं को आरक्षण भी मिलेगा। इससे शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं विधायक और सांसद बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को वोट बैंक समझने वाली मानसिकता को ध्वस्त कर नीति निर्धारण और नेतृत्वकारी भूमिका में बैठाने का एतिहासिक काम करेगा। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी निर्णय में देश का भाग्य बदलने की क्षमता होती है। हम ऐसे ही निर्णय के साक्षी बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के उदघाटन के बाद आयोजित पहले सत्र की शुरुआत ही एतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम से हुई थी यानी लोकतंत्र के नए मंदिर का पहला ऐतिहासिक कदम ही भारत की मातृशक्ति को समर्पित रहा था। पत्रकारवार्ता के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी आरोपों की झड़ी लगाते हुये कहा कि कांग्रेस ने केवल इस अधिनियम को कागजों पर ही रखा वहीं एक बार तो कांग्रेस नीत सरकार में इसे फाड तक दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीयत में खोट का सबसे काला अध्याय शाह बानो मामला है, जहां कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय के प्रगतिशील फैसले को संसद में पलटकर करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के हक को कट्टरपंथियों के पैरों तले कुचलने दिया था।सांसद संध्या राय ने कहा कि विपक्ष की यह घबराहट दिखाती है कि वे कभी नहीं चाहते थे कि यह बिल पास हो। उनके लिए यह बिल केवल एक मुद्दा था, जिसे वे कभी सुलझाना नहीं चाहते थे। इस अवसर पर पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता मीना सचान, किरण भदौरिया, प्रिया तोमर, दीपिका गुप्ता, नेहा, करूणा सक्सेना, वंदना भूपेन्द्र प्रेमी उपस्थित थी।

## बाबा साहेब को आज कांग्रेस नमन करेगी

**ग्वालियर।** संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 14 अप्रैल को प्रातः 9 बजे फूलबाग स्थित अंबेडकर पार्क में स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित की जाएगी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने बताया कि सभी कांग्रेसजन सीधे अंबेडकर पार्क पहुचेंगे, जहां पर बाबा साहेब को माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित की जाएगी।

***डॉ. अंबेडकर जयंती पर आज होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम***

**ग्वालियर** । बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को प्रातः 11.30 बजे बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इस आयोजन में बाबा साहब अंबेडकर के जीवन पर केन्द्रित व्याख्यान होंगे। साथ ही हितग्राहियों को सम्मानित किया जायेगा। यह आयोजन वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा।

# भोपाल की छात्रा से ग्वालियर के होटल में 7 दिन तक दुष्कर्म

**– युवक ने खुद को हिंदू बताकर छात्रा से की थी दोस्ती**

**ग्वालियर।** ग्वालियर में भोपाल की 21 वर्षीय बीएससी छात्रा से युवक ने दुष्कर्म किया है। आरोपी ने खुद को हिंदू बताकर छात्रा से दोस्ती की और ग्वालियर के होटल में 7 दिन तक दुष्कर्म किया। पीड़िता से रूपये भी लिए। छात्रा 3 महीने की गर्भवती है। मामला गिरवाई थाना क्षेत्र का है। पुलिस आरोपी के खिलाफदुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक पीड़िता पांढुर्णा जिले की रहने वाली 21 वर्षीय छात्रा भोपाल के अशोका गार्डन में रहकर पढ़ाई कर रही थी। करीब एक साल पहले उसकी इंस्टाग्राम पर ÷सदेव शूटर÷ आईडी से बातचीत शुरू हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद मोबाइल नंबर एक्सचेंज हुए। जिसके बाद छात्रा युवक के बुलाने पर 4 मार्च 2025 को ग्वालियर आई थी। गिरवाई इलाके के एक होटल में 7 दिन रुकी, जहां युवक ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। छात्रा से ग्वालियर से लौटने के चार दिन बाद युवक ने परेशानी का हवाला देकर उससे 50 हजार रुपए मांगे। छात्रा ने अपने कान के बाले बेचकर उसे रूपये दे दिए। इसके बाद युवक भोपाल आ गया।

युवक अशोका गार्डन में छात्रा के साथ लिव-इन में रहने लगा। करीब तीन महीने तक दोनों साथ रहे और इस दौरान युवक ने शादी का झांसा देकर कई बार युवक ने छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस कारण छात्रा 3 महीने की गर्भवती हो गई। छात्रा ने शादी की बात कही तो युवक ने खुद को मुस्लिम बताया और धर्म बदलने की शर्त रखी और कहा कि शादी के लिए मुस्लिम बनना होगा। विरोध करने पर उसने छात्रा के साथ मारपीट की। इसके अलावा युवक ने छात्रा को 50 हजार रुपए लौटाने से भी इनकार कर दिया। छात्रा पर गर्भपात का दबाव बनाया और दवा देकर गर्भ गिराने की कोशिश की, लेकिन छात्रा ने दवा नहीं ली।

पीड़िता ने तीन दिन पहले अशोका गार्डन थाना में मामले की शिकायत की थी। मामला गिरवाई क्षेत्र का होने पर पुलिस ने जीरो पर मामला दर्ज कर केस डायरी ग्वालियर भेजी दी। सोमवार को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया। इस मामले में सीएसपी रोबिन जैन ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश कर मामले की जांच जारी है।

## संपादकीय

# डिजिटल युग में हिंदी: चुनौतियाँ और संभावनाएं

**स्निग्धा का आलेख**

मोबाइल की चमकती स्क्रीन पर सिमटती दुनिया में शब्दों की गहराई कहीं धीरे-धीरे धुंधली होती प्रतीत होती है। डिजिटल युग ने ज्ञान को हमारी उँगलियों तक पहुँचा दिया है; सूचना का विस्तार अभूतपूर्व है। परंतु भाषा से हमारा आत्मीय रिश्ता पहले जैसा सशक्त नहीं रहा। तकनीक आज जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है–शिक्षा, संवाद, शोध और मनोरंजन–सब कुछ डिजिटल माध्यमों से जुड़ गया है। ऐसे में शिक्षण पद्धति में परिवर्तन स्वाभाविक है, किंतु इस परिवर्तन के बीच हिंदी भाषा का शिक्षण नई परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना कर रहा है।एक हिंदी शिक्षिका के रूप में प्रतिदिन यह अनुभव होता है कि बच्चों के विचारों में कमी नहीं है। वे जिज्ञासु हैं, कल्पनाशील हैं, संवेदनशील भी हैं। परंतु जब उन विचारों को शब्दों में ढालने का समय आता है, तो वे ठिठक जाते हैं। हाल ही में, कक्षा में विद्यार्थियों से उनके मनपसंद विषय पर कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा। सभी के पास भाव थे, अनुभव थे, पर शब्द नहीं। कई विद्यार्थियों ने सहज भाव से कहा– 'सोच तो है, पर लिखने के लिए शब्द नहीं मिलते।' उस क्षण यह स्पष्ट हुआ कि समस्या प्रतिभा की नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की है। माध्यमों ने संवाद को त्वरित और संक्षिप्त बना दिया है। चैट भाषा, इमोजी और मिश्रित भाषायी प्रयोग (हिंग्लिश) का प्रभाव बच्चों की हिंदी शब्दावली को सीमित कर रहा है। लंबे वाक्य लिखने की प्रवृत्ति कम हो रही है। शुद्ध वर्तनी और व्याकरणिक सावधानी पर ध्यान घटता जा रहा है। 'है' और 'हैं', 'क्योंकि' और 'क्युकी', 'वहाँ' और 'वहा' जैसे सरल शब्दों में भी भ्रम देखने को मिलता है। कई बार बच्चे अपनी त्रुटियाँ पहचानने में भी असमर्थ होते हैं। जब भाषा की बुनियाद कमजोर होती है, तो आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है।वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि देश के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालय, जो केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्चस्श्व) से संबद्ध हैं, अपनी शिक्षण पद्धति में मुख्य रूप से अंग्रेजी माध्यम का उपयोग करते हैं। यद्यपि यह बोर्ड हिंदी माध्यम के विद्यालयों को भी पूरी मान्यता प्रदान करता है, फिर भी व्यवहार में अधिकांश विद्यार्थी अन्य विषयों का अध्ययन अंग्रेजी में करते हैं। यह स्वाभाविक है कि विद्यार्थी जिस भाषा में विज्ञान या गणित जैसे विषय पढ़ते हैं, वे उसी में अधिक सहज हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, हिंदी उनके लिए अभिव्यक्ति का माध्यम कम और केवल एक 'विषय' अधिक बनकर रह जाती है। अभिभावकों की प्राथमिकताओं में भी अंग्रेजी का महत्व बढ़ा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को वैश्विक अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। इस प्रयास में अनजाने में घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर हिंदी के सक्रिय प्रयोग और पठन के अवसर सीमित हो जाते हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समस्या किसी अन्य भाषा के अस्तित्व से नहीं है। बहुभाषिकता हमारे देश की शक्ति है। अंग्रेज़ी सहित अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। किंतु जिस भाषा में बच्चा अपने परिवेश को समझता है और भावनात्मक रूप से जुड़ता है, उसमें दक्षता उसके चिंतन को गहराई प्रदान करती है। यही कारण है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में शिक्षण को महत्व देती है, क्योंकि भाषा ही विचारों की आधारशिला है।समाधान निराशा में नहीं, संतुलन में है। यदि हिंदी को केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित न रखकर जीवन से जोड़ा जाए, तो वह पुनः बच्चों के लिए सहज और रोचक बन सकती है। कहानी-कथन, समूह-चर्चा, भूमिका-अभिनय, वाद-विवाद, रचनात्मक लेखन और काव्य-पाठ जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के शब्द-भंडार और आत्मविश्वास को सुदृढ़ कर सकती हैं। विद्यालयों में नियमित पठन-अभियान, 'दिन का शब्द' जैसी पहलें और पुस्तकालय संस्कृति का सशक्तिकरण भी महत्त्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

# बाबा साहब अम्बेडकर की विरासत को संजोती भाजपा

**(डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर विशेष)**

> बाबा साहब अम्बेडकर ने जवाहर लाल नेहरू जी के मंत्रिमंडल से 1951 में इस्तीफा दिया। उनका यह निर्णय अचानक नहीं था, बल्कि कई गहरे वैचारिक मतभेदों और असंतोष का परिणाम था। डॉ. अंबेडकर के इस्तीफे का सबसे बड़ा कारण हिंदू कोड बिल था। यह बिल महिलाओं को संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार में समान अधिकार देने के लिए बनाया गया था।

डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान केवल एक विधिवेत्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुधारक और राष्ट्रनिर्माता के रूप में भी था। उन्होंने संविधान के माध्यम से एक ऐसे भारत की नींव रखी, जहाँ समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्श स्थापित हों। बाबा साहब अम्बेडकर का योगदान केवल संविधान निर्माण तक सीमित नहीं था, बल्कि भारत की आर्थिक और वित्तीय व्यवस्था के विकास में भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। (भारतीय रिजर्व बैंक) की स्थापना में उनके विचारों और शोध का गहरा प्रभाव माना जाता है। बाबा साहब अम्बेडकर ने जवाहर लाल नेहरू जी के मंत्रिमंडल से 1951 में इस्तीफा दिया। उनका यह निर्णय अचानक नहीं था, बल्कि कई गहरे वैचारिक मतभेदों और असंतोष का परिणाम था। डॉ. अंबेडकर के इस्तीफे का सबसे बड़ा कारण हिंदू कोड बिल था। यह बिल महिलाओं को संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार में समान अधिकार देने के लिए बनाया गया था। डॉ. अंबेडकर चाहते थे कि यह बिल जल्द पारित हो, लेकिन संसद में इसका कड़ा विरोध हुआ और सरकार ने इसे आगे बढ़ाने में रुचि नहीं दिखाई। इससे वे अत्यंत निराश हुए, क्योंकि वे इसे सामाजिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम मानते थे। डॉ. अंबेडकर का मानना था कि नेहरू सरकार सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। वे चाहते थे कि दलितों और महिलाओं के अधिकारों को प्राथमिकता दी जाए, लेकिन उन्हें लगा कि सरकार इन मुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रही। डॉ. अंबेडकर के कई मामलों में जवाहरलाल नेहरू जी से मतभेद थे, जैसे आर्थिक नीतियों को लेकर असहमति, कश्मीर नीति पर भिन्न विचार विदेश नीति और प्रशासनिक दृष्टिकोण पर अंतर, इन मतभेदों के कारण वे स्वयं को सरकार में असहज महसूस करने लगे। कानून मंत्री होने के बावजूद डॉ. अंबेडकर को कई महत्वपूर्ण निर्णयों में पर्याप्त भूमिका नहीं मिल रही थी।इससे उन्हें लगा कि वे अपने विचारों और योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू नहीं कर पा रहे हैं। डॉ. अंबेडकर सिद्धांतों के व्यक्ति थे। वे सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने के लिए तैयार नहीं थे। जब उन्हें लगा कि उनके मूल उद्देश्यों को पूरा नहीं किया जा रहा है, तो उन्होंने पद छोड़ना उचित समझा। डॉ. भीमराव अंबेडकर का इस्तीफा उनके सिद्धांतों, सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और सुधारवादी दृष्टिकोण का प्रतीक था। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण उनके लिए समाज में समानता और न्याय की स्थापना थी। उनका यह कदम भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटना माना जाता है, जो यह दर्शाता है कि वे अपने आदर्शों के लिए किसी भी पद को त्याग सकते थे। नेहरू मंत्रिमंडल से अलग होकर बाबा साहब अंबेडकर ने 1952 के आम चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव बॉम्बे से लड़ा वे इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी नारायण काजोलकर से चुनाव हार गए, काजो लकर पहले डॉ. अंबेडकर के सहयोगी रह चुके थे, जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें बाबा साहब अम्बेडकर के ख़िलाफ़ चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया और स्वयं नेहरू जी उनके प्रचार में गए इसलिए यह हार और भी उल्लेखनीय मानी जाती है। इसके बाद 1954 में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने एक उपचुनाव (भंडारा लोकसभा सीट) से भी चुनाव लड़ा, लेकिन वहाँ भी उन्हें सफलता नहीं मिली। हालाँकि वे चुनाव हार गए, लेकिन उनकी राजनीतिक और बौद्धिक शक्ति कम नहीं हुई। बाद में 3 अप्रैल 1952 को पहली बार वह राज्यसभा के सदस्य बने यहां भी कांग्रेस उनके विरोध में खड़ी रही पर शेड्यूल कास्ट फेडरेशन और कुछ निर्दलीय सदस्यों के समर्थन से वह निर्वाचित हो सके और विचारों के माध्यम से देश की नीतियों को प्रभावित करते रहे। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का मानना था कि हिंदू धर्म में जाति व्यवस्था गहराई से जुड़ी हुई है, जिससे समानता संभव नहीं है। अनेक विचार विमर्श के पश्चात 1956 में उन्होंने अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म को अपनाया ,उस समय जब यह खबर हैदराबाद के निज़ाम मीर उस्मान अली खान को मिली कि डॉक्टर अंबेडकर हिन्दू धर्म को छोड़कर अन्य धर्म अपनाने जा रहे हैं तो उन्होंने बाबा साहब को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रस्ताव भेजा और 25 करोड़ रुपए की भारी भरकम रकम की पेशकश की निज़ाम चाहते थे कि बाबा साहब अंबेडर के साथ उनके अनुयाई भी इस्लाम अपना ले जिससे हैदराबाद में मुस्लिम आबादी बढ़ सके। बाबा साहब ने इन प्रलोभनों को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि धर्म परिवर्तन से 'राष्ट्रीय अस्थिरता हो सकती है और वे भारत की मूल संस्कृति से दूर नहीं जाना चाहते' बाबा साहब ने बाद में हैदराबाद के दलित समुदाय को लिखा था अत्याचार सहें लेकिन किसी भी स्थिति में धर्म न बदलें। उनकी विचारधारा मानवता, समानता और न्याय पर आधारित थी। वे तर्क और विज्ञान में विश्वास रखते थे और अंधविश्वासों के खिलाफ थे। 6 दिसंबर 1956 को बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर का निधन हो गया। उन्हें 1990 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के लिए भी बाबा साहब को मृत्यु के पश्चात 44 वर्ष इंतजार करना पड़ा, जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री रहते हुए ही 1955 में भारत रत्न मिल गया,इंदिरा गांधी को भी प्रधानमंत्री रहते हुए 1971 में भारत रत्न मिल गया ,राजीव गांधी को मृत्यु के तुरन्त बाद भारत रत्न दे दिया गया यदि उनकी दुर्भाग्य पूर्ण मृत्यु न होती तो शायद उनको भी प्रधानमंत्री रहते हुए ही भारत रत्न मिल जाता लेकिन कांग्रेस की किसी भी सरकार ने संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर को भारत रत्न देने का विचार नहीं किया। 1990 में जब केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के समर्थन वाली विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार थी तब बाबा साहब अम्बेडकर को भारत रत्न सम्मान दिया गया जिसके वह वास्तविक हकदार थे। भारतीय जानता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत के प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी बाबा साहब अम्बेडकर के प्रति गहरा सम्मान रखते थे वे उन्हें भारत के महान राष्ट्रनिर्माताओं में से एक मानते थे उनके विचारों में अंबेडकर जी के प्रति आदर, सामाजिक न्याय की स्वीकृति और संविधान के प्रति सम्मान स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अटल जी ने डॉ. अंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार मानते हुए कहा कि उनका योगदान भारत के लोकतंत्र की मजबूत नींव है। उनके अनुसार, अंबेडकर ने ऐसा संविधान बनाया जो देश की विविधता को एकता में बांधता है। वाजपेयी जी मानते थे कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के सबसे कमजोर और वंचित वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने अंबेडकर को 'सामाजिक क्रांति का अग्रदूत' बताया। अटल जी के भाषणों में यह बात अक्सर आती थी कि डॉ. अंबेडकर का सपना एक ऐसे भारत का था जहाँ किसी के साथ भेदभाव न हो। वे कहते थे कि अंबेडकर का संदेश केवल एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है। वाजपेयी जी ने बार-बार यह जोर दिया कि भारतीय लोकतंत्र की सफलता में डॉ. अंबेडकर की दूरदृष्टि का बड़ा योगदान है। वे मानते थे कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा है–और इसमें अंबेडकर का योगदान अमूल्य है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति को न्याय मिले उनका जीवन स्तर और ऊंचा उठे इसी उद्देश्य से अटल जी की सरकार में मई 1998 में सामाजिक न्याय एवं एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा 1999 जनजातीय कार्य मंत्रालय का पृथक से गठन किया गया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थ उनके जीवन के 5 प्रमुख स्थान हैं–महू (जन्मभूमि), लंदन (शिक्षाभूमि), नागपुर (दीक्षाभूमि), दिल्ली (महापरिनिर्वाण भूमि), और मुंबई (चैत्यभूमि)। कांग्रेस की सरकारों के दौरान बाबा साहब अम्बेडकर से जुड़े यह स्थल सदैव उपेक्षित रहे 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की की सरकार बनने के बाद इन स्थलों का विकास 2016 से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बाबा साहेब की 125वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देने और विरासत को सहेजने के लिए किया गया। बाबा साहब अंबेडकर का जीवन और कार्य हमें यह प्रेरणा देते हैं कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां सभी को समान अवसर और सम्मान मिले। डॉ. अंबेडकर मां भारती के अमर सपूत थे वह सामाजिक समरसता के अमर पुरोधा थे, भारत के इतिहास में वह एक अमर नायक के रूप में सदैव याद किए जाएंगे।

प्रस्तुति
**सुरेन्द्र शर्मा**
(लेखक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निमाड़ संभाग के प्रभारी हैं)

# गर्भ का चिकित्सा समापन अधिनियम और न्यायालय के दृष्टांत

भारतीय दंड संहिता (IPC) से भारतीय न्याय संहिता (BNS) की ओर बढ़ते कदम ने वैवाहिक स्वायत्तता (Marital Autonomy) के संबंध में एक विवादास्पद कानूनी विरोधाभास को जन्म दिया है। जहाँ एक ओर नया ढांचा भारतीय न्यायशास्त्र को आधुनिक बनाने का लक्ष्य रखता है, वहीं दूसरी ओर BNS की धारा 63 के अपवाद 2 (Exception 2 ) को बरकरार रखने से विवाह के भीतर गैर-सहमति वाले यौन कृत्यों को आपराधिक अभियोजन से सुरक्षा मिलती रहती है। हालांकि, इस वैधानिक उन्मुक्ति (Statutory Immunity) को MTP अधिनियम के भीतर एक अधिकार-आधारित विमर्श द्वारा चुनौती दी जा रही है, जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्याख्या की गई है।

**वैधानिक ढाल: BNS की धारा 63**

इस मुद्दे के केंद्र में धारा 63 की संरचना है। BNS बलात्कार की परिभाषा को समेकित करता है लेकिन अपवाद 2 के तहत 'वैवाहिक अपवाद' को स्पष्ट रूप से बरकरार रखता है, जो कहता है:

'किसी पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ किया गया संभोग या यौन कृत्य बलात्कार नहीं है, यदि पत्नी की आयु अठारह वर्ष से कम न हो। '

स्पष्ट रूप से 'पत्नी का अठारह वर्ष से कम आयु का न होना' वाक्यांश का उपयोग करके, BNS ने अब सर्वोच्च न्यायालय के 2017 के शासनादेश को वैधानिक रूप से संहिताबद्ध कर दिया है। आपराधिक मार्ग के तहत, इसका मतलब है कि एक पति वयस्क पत्नी के खिलाफ किए गए कृत्यों के लिए बलात्कार के आरोपों से मुक्त रहता है। ऐसी स्थिति में पीड़ित विवाहित महिला बलात्कार के लिए दोषसिद्धि की मांग नहीं कर सकती है और उसे BNS की धारा 85 (क्रूरता) या घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत राहत लेनी पड़ती है, जो 'यौन शोषण' को घरेलू हिंसा के एक रूप में मान्यता देता है।

**MTP अधिनियम**

इसके ठीक विपरीत, आधुनिक स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों के दृष्टिकोण से देखे जाने वाले MTP अधिनियम ने इस उन्मुक्ति को प्रभावी ढंग से दरकिनार कर दिया है। जहाँ BNS 'निहित सहमति' के औपनिवेशिक युग के दर्शन पर निर्भर करता है, वहीं MTP अधिनियम अनुच्छेद 21 के तहत 'शारीरिक स्वायत्तता' (Bodily Autonomy) के सिद्धांत पर कार्य करता है।

इस कानूनी विचलन को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णय ङ्क बनाम प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (2022) के माध्यम से जोड़ा। न्यायालय को यह निर्धारित करना था कि क्या एक विवाहित महिला 'बलात्कार पीड़िता' की श्रेणी के तहत 24 सप्ताह तक गर्भपात सेवाओं का लाभ उठा सकती है। माननीय न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने माना कि MTP अधिनियम के उद्देश्यों के लिए, 'बलात्कार' शब्द में वैवाहिक बलात्कार (Marital Rape) शामिल होना चाहिए। न्यायालय ने तर्क दिया कि 'विवाह की घनिष्ठता' किसी गैर-सहमति वाले कृत्य को सहमति वाले कृत्य में नहीं बदलती है।

**सहमति की आयु का मानकीकरण: इंडिपेंडेंट थॉट (2017)**

BNS की धारा 63 में पाई जाने वाली आयु सीमा सीधे तौर पर इंडिपेंडेंट थॉट बनाम भारत संघ (2017) के फैसले का परिणाम है। पूर्व में, IPC ने 15 वर्ष तक की पत्नियों के लिए अपवाद की अनुमति दी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था, यह कहते हुए कि यह बालिका के अधिकारों का उल्लंघन करता है और POCSO अधिनियम के साथ असंगत है। इस सीमा को बढ़ाकर 18 वर्ष करके, न्यायपालिका ने यह सुनिश्चित किया कि विवाह का उपयोग अब नाबालिग के साथ यौन कृत्यों के बचाव के रूप में नहीं किया जा सकता है।

**एक विचाराधीन वास्तविकता**

भारत वर्तमान में एक दोहरी प्रणाली के तहत कार्य कर रहा है। एक विवाहित महिला को BNS के तहत अपने पति पर बलात्कार का मुकदमा चलाने के अधिकार से वंचित किया जाता है, फिर भी उसे MTP अधिनियम के तहत उन्हीं आधारों पर सुरक्षित और कानूनी गर्भपात कराने का अधिकार दिया जाता है। यह 'कार्यात्मक मान्यता' की स्थिति पैदा करता है जहाँ राज्य द्वारा प्रजनन संदर्भ में नुकसान को स्वीकार किया जाता है, भले ही दंडात्मक संदर्भ में इसे माफ कर दिया गया हो।

BNS की धारा 63 के अपवाद 2 की व्यापक संवैधानिक वैधता वर्तमान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय की एक बड़ी पीठ के समक्ष लंबित है। कानूनी जगत एक अंतिम समाधान की प्रतीक्षा कर रहा है जो BNS को MTP अधिनियम के प्रगतिशील मानकों और अनुच्छेद 14 (समानता) एवं अनुच्छेद 21 (गरिमा) के मौलिक वादे के साथ संरेखित करेगा।

(लेखक. पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक IPS (पुलिस के वीरता पदक के प्रथम बार और अन्य राष्ट्रीय व राजकीय सम्मान से अलंकृत।)

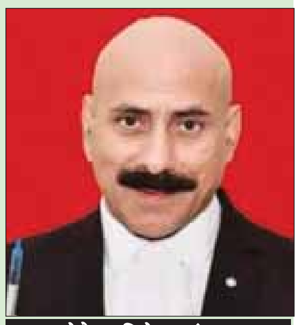

-एडवोकेट दिनेश चंद सागर-

# समर्पण से सशक्तीकरण : चंबल की विरासत और 'शांति एवं महिला' अभियान

***एक ऐतिहासिक घटना***

चंबल–यह नाम सुनते ही कभी जेहन में बीहड़, धूल, घोड़ों की टाप और बागी डाकुओं की डरावनी तस्वीरें उभर आती थीं। दशकों तक यह क्षेत्र भय, प्रतिशोध और रक्तपात का पर्याय बना रहा। लेकिन इतिहास गवाह है कि जहाँ अंधेरा सबसे घना होता है, वहीं से उजाले की किरण फूटती है। सन् 1972 में चंबल की घाटी में एक ऐसी क्रांतिकारी घटना घटी, जिसने न केवल भारत को बल्कि पूरी मानवता को एक नई दिशा दी। यह घटना थी–बागी -आत्मसमर्पण, जिसने हिंसा की धरती को शांति और अहिंसा की प्रयोगशाला में बदल दिया।

**जयप्रकाश नारायण और हृदय परिवर्तन का प्रयोग**

इस महान परिवर्तन के सूत्रधार थे लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी)। गांधीवादी मूल्यों में अटूट विश्वास रखने वाले जेपी का मानना था कि 'अपराध से घृणा करो, अपराधी से नहीं।' 14-16 अप्रैल 1972 के वे दिन जौरा (मुरैना) के गांधी सेवा आश्रम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हैं। जब माधो सिंह और मोहर सिंह जैसे कुख्यात बागियों ने जेपी के चरणों में अपनी बंदूकें रखीं, तो वह केवल हथियारों का समर्पण नहीं था; वह एक विचारधारा का समर्पण था। लोकनायक की सौम्य उपस्थिति और उनके नैतिक प्रभाव ने उन लोगों के भीतर सोई हुई मानवता को जगा दिया, जिन्हें समाज 'दुर्दांत' कहता था। महात्मा गांधी के चित्र के सामने जब सैकड़ों बागियों ने घुटने टेके, तो चंबल की हवाओं में पहली बार भय की जगह भरोसे की खुशबू घुली। यह विश्व इतिहास का संभवतः सबसे बड़ा सामूहिक आत्मसमर्पण था, जिसे बिना किसी बल प्रयोग के, केवल 'संवाद' के माध्यम से संपन्न किया गया।

**क्षमा और करुणा की अग्निपरीक्षा**

आत्मसमर्पण के बाद असली चुनौती शुरू हुई। वर्षों तक जेल की सजा काटने के बाद जब ये बागी समाज की मुख्यधारा में लौटे, तो एक बड़ा यक्ष प्रश्न सामने था–क्या समाज इन्हें अपनाएगा? अक्सर संघर्षों के बाद प्रतिशोध की भावना प्रबल होती है। आशंका थी कि जिन परिवारों ने इन बागियों के जुल्म सहे थे, वे बदला लेंगे। लेकिन यहीं चंबल ने दुनिया को चौंका दिया। जिस तरह बागियों का हृदय परिवर्तन हुआ था, उसी तरह पीड़ितों के मन में भी 'करुणा' और 'क्षमा' का ज्वार उठा। पीड़ितों ने अपने घावों को भुलाकर उन पूर्व बागियों को गले लगाया। यह 'सत्य और अहिंसा' का साक्षात साक्षात्कार था। समाज ने दिखाया कि यदि न्याय के साथ संवेदनशीलता जुड़ जाए, तो अपराधी को भी एक सम्मानित नागरिक बनाया जा सकता है।

**चंबल से कन्नूर तक: एक वैश्विक प्रेरणा**

चंबल की यह सफलता केवल मध्य भारत के बीहड़ों तक सीमित नहीं रही। इसकी गूँज दक्षिण भारत के केरल तक पहुँची। केरल का कन्नूर जिला, जो दशकों से राजनीतिक हिंसा और वैचारिक संघर्ष की आग में झुलस रहा था, वहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चंबल के मॉडल को अपनाया। उन्होंने 'संवाद' को अपना हथियार बनाया। चंबल के अनुभव से सीख लेते हुए वहां शांति समितियां बनाई गईं और निरंतर सात वर्षों के प्रयास के बाद कन्नूर की हिंसक घटनाओं में भारी कमी आई। यह इस बात का जीवंत प्रमाण है कि संवाद की शक्ति किसी भी अत्याधुनिक हथियार से कहीं अधिक मारक और प्रभावी होती है।

**शांति पर्यटन और शिक्षा का नया केंद्र: जौरा**

आज आवश्यकता है कि जौरा का आत्मसमर्पण स्थल केवल एक स्मारक बनकर न रह जाए। इसे अहिंसा, शांति और संघर्ष समाधान के एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

**शांति पर्यटन**

जैसे दुनिया युद्ध स्थलों को देखने जाती है, वैसे ही उसे उन स्थलों को भी देखना चाहिए जहाँ युद्ध समाप्त हुए थे। जौरा का गांधी आश्रम दुनिया को यह सिखा सकता है कि सबसे जटिल समस्याओं का समाधान बंदूक नहीं, बल्कि बैठकर बात करने से संभव है। यह स्थान युवाओं के लिए एक पाठशाला बन सकता है, जहाँ उन्हें सिखाया जाए कि शांति का मार्ग कायरता नहीं, बल्कि सबसे बड़ा साहस है।

**'शांति और महिला' अभियान: एक नई पहल**

इसी कड़ी में, 14 अप्रैल को जौरा की पावन धरा से 'शांति और महिला' अभियान का शंखनाद किया जा रहा है। शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका सदैव निर्णायक रही है। इस अभियान के माध्यम से दुनिया भर की महिलाएं एकजुट होकर यह संदेश देंगी कि एक शांतिपूर्ण समाज का निर्माण घर की दहलीज से शुरू होता है। इतना ही नहीं, चंबल का यह अहिंसक प्रयोग अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी गूँज रहा है। अफ्रीका के देश बेनिन में आयोजित होने वाले 'विश्व शांति मंच' में चंबल के इस सफल प्रयोग पर चर्चा की जाएगी। यह गर्व का विषय है कि एक समय में पिछड़ा माना जाने वाला क्षेत्र आज विश्व शांति के लिए 'रोल मॉडल' बन रहा है।

**विनोबा भावे की 'सज्जन शक्ति' का आह्वान**

आज जब दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं और हथियारों की होड़ मची है, तब हमें आचार्य विनोबा भावे की वह बात याद आती है– 'संगठित सज्जन शक्ति ही दुर्जन शक्ति को चुनौती दे सकती है।' अहिंसा का अर्थ केवल शांत बैठना नहीं है, बल्कि अन्याय के विरुद्ध प्रेम और संगठन की शक्ति से खड़ा होना है। हिंसा को कोसने से अंधेरा दूर नहीं होगा, हमें अहिंसा के दीये को और अधिक चमकदार बनाना होगा। 14 अप्रैल, जो 'समर्पण दिवस' के रूप में विख्यात है, हमें याद दिलाता है कि इंसान के भीतर का 'राम' कभी भी 'रावण' पर विजय पा सकता है, बशर्ते उसे सही दिशा और प्रेम मिले।

**निष्कर्ष**

चंबल घाटी का इतिहास हमें सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति जन्म से अपराधी नहीं होता, परिस्थितियाँ उसे बागी बनाती हैं और 'करुणा' उसे पुनः इंसान बनाती है। जयप्रकाश नारायण, डॉ. सुब्बा राव और तमाम गांधीवादी विचारकों ने जो बीज बोया था, वह आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। आज हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम चंबल की इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे। संवाद के दरवाजों को कभी बंद नहीं होने देंगे। यदि चंबल के बीहड़ों में शांति के फूल खिल सकते हैं, तो दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध समाप्त हो सकता है। आइए, इस 14 अप्रैल को हम सब मिलकर शांति के इस महायज्ञ में अपनी आहुति दें और एक ऐसे विश्व का निर्माण करें जहाँ केवल प्रेम की भाषा बोली जाए।

**राजगोपाल पी.व्ही.**
**(लेखक राजगोपाल पी.व्ही. महात्मा गाँधी सेवा आश्रम जौरा के अध्यक्ष और एकता परिषद् के संस्थापक है।)**

# महाप्रभु वल्लभाचार्य जी का प्राकट्योत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया निकला चल समारोह

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**

**मुरैना।** शुद्धाद्वैत ब्रह्मवाद के संस्थापक, पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक एवं समस्त पुष्टि सृष्टि के प्राणाधार, अखंड भूमंडलाचार्य, जगद्गुरु श्रीमद् महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी के प्रादुर्भाव महोत्सव के पावन अवसर पर नगर में भव्य एवं श्रद्धामयी शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

यह शोभायात्रा द्वारकाधीश जी की हवेली, महावीर पुरा से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होती हुई जीवाजी गंज तक पहुंची तथा पुनः वापस द्वारकाधीश जी की हवेली पर आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। संपूर्ण वातावरण 'जय श्रीकृष्ण' एवं 'वल्लभाधीश की जय' के जयघोषों से गुंजायमान रहा। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण एवं श्री वल्लभाचार्य जी की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भजन-कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भक्तिमय संकीर्तन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और पूरे आयोजन को भक्तिमय बना दिया। इस पावन अवसर पर षष्ठगृह की ओर से गोस्वामी 108 श्री बृजरमण लाल जी महोदय श्री द्वितीय (कृतार्थ बावा साहब) की गरिमामयी उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उनके सान्निध्य में कार्यक्रम की आध्यात्मिक गरिमा और अधिक बढ़ गई। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है तथा युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया और आयोजन के सफल संपन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उक्त जानकारी रामशरण शर्मा द्वारा दी गई।

# प्रधानमंत्री श्री मोदी का महत्वाकांक्षी मिशन
# नारी शक्ति वंदन अधिनियम

-डॉ. राघवेंद्र शर्मा-

भारत की विकास यात्रा में आज एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिखा जा रहा है जहाँ राष्ट्र की 'आधी आबादी' अब केवल चर्चाओं का विषय नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण की मुख्यधारा का अनिवार्य हिस्सा बनने जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के जिस संकल्प को सिद्ध करने का बीड़ा उठाया है, वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक युगांतरकारी घटना है। आगामी 2029 के आम चुनाव से इस अधिनियम को लागू करने की मंशा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान सरकार महिलाओं के प्रति केवल सहानुभूति नहीं रखती, बल्कि उन्हें वास्तविक राजनीतिक शक्ति सौंपने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का यह निर्णय उस अटूट विश्वास का प्रतीक है कि जब देश की बेटियाँ विधायी प्रक्रियाओं का नेतृत्व करेंगी, तभी भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में पूर्णता प्राप्त कर सकेगा। भाजपा सरकार की यह पहल केवल एक कानूनी बदलाव नहीं है, बल्कि यह उस रूढ़िवादी सोच पर प्रहार है जिसने दशकों तक महिलाओं को निर्णय लेने वाली मेजों से दूर रखा। महिला आरक्षण का मुद्दा भारतीय राजनीति के गलियारों में पिछले कई दशकों से गूंजता रहा है, कई बार प्रयास हुए और कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में वे प्रयास विफल हो गए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने यह सिद्ध कर दिया कि जहाँ दृढ़ संकल्प होता है, वहाँ मार्ग स्वयं प्रशस्त हो जाता है। 16 अप्रैल से शुरू होने जा रहे संसद के विशेष सत्र में इस दिशा में उठाए जाने वाले कदम इस बात की पुष्टि करते हैं कि सरकार इस ऐतिहासिक सुधार को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए आतुर है। यह केवल एक चुनावी घोषणा नहीं है, बल्कि पिछले दस वर्षों में महिला कल्याण के लिए किए गए निरंतर प्रयासों की एक तार्किक परिणति है। यदि हम पीछे मुड़कर देखें, तो पाएंगे कि मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल के प्रथम दिन से ही महिलाओं को राष्ट्र निर्माण की धुरी माना है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने समाज की मानसिकता को बदलने का जो महती कार्य किया, उसका परिणाम आज लिंगानुपात में आए सुधार और बालिकाओं की शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता के रूप में दिखाई देता है। इसी प्रकार, सुकन्या समृद्धि योजना ने करोड़ों बेटियों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है, जिससे वे अपनी उच्च शिक्षा और सपनों को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकें। ग्रामीण भारत की महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली उज्ज्वला योजना का उल्लेख किए बिना महिला सशक्तिकरण की चर्चा अधूरी है। धुएं से भरे रसोईघर से मुक्ति दिलाकर करोड़ों माताओं-बहनों को सम्मानजनक और स्वस्थ जीवन देना इस सरकार की संवेदनशीलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। मिशन इंद्रधनुष के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और शिशुओं का सुरक्षा चक्र मजबूत किया गया, तो वहीं पीएम मातृ वंदना योजना ने कामकाजी महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आर्थिक संबल प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखा। माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन ने यह सुनिश्चित किया कि धन के अभाव में किसी बेटी की पढ़ाई न छूटे। इन तमाम योजनाओं की सफलता यह दर्शाती है कि भाजपा सरकार ने सदैव महिलाओं की जमीनी समस्याओं को समझा और उनका समाधान निकाला। अब राजनीतिक भागीदारी की दिशा में उठाया गया यह 33 प्रतिशत आरक्षण का कदम इसी श्रृंखला की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। हाल ही में देशभर की महिला प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक ने इस विश्वास को और प्रगाढ़ किया है कि सरकार महिलाओं के सुझावों और उनकी आकांक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इस बैठक में प्रधानमंत्री का आत्मविश्वास और महिलाओं के प्रति उनका सम्मान यह दर्शाता है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का एक पवित्र घोषणापत्र है। इस अधिनियम के लागू होने से न केवल संसद की बनावट बदलेगी, बल्कि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में एक नया दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और समावेशिता आएगी। यह आरक्षण महिलाओं को वह मंच प्रदान करेगा जहाँ वे अपनी समस्याओं और देश की चुनौतियों पर अपनी विशिष्ट दृष्टि से निर्णय ले सकेंगी। विपक्ष की तमाम बयानबाजियों और दशकों की टालमटोल के विपरीत, मोदी सरकार ने जिस तरह से इस जटिल कार्य को अंजाम देने का साहस दिखाया है, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है। यह संकल्प से सिद्धि की वह यात्रा है जिसे आने वाली पीढ़ियाँ भारत के पुनरुत्थान के रूप में याद रखेंगी। देश की आधी आबादी आज यह अनुभव कर रही है कि उनके पास एक ऐसा नेतृत्व है जो उनके हितों की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा है। 2029 का चुनाव केवल एक सामान्य निर्वाचन नहीं होगा, बल्कि वह भारतीय लोकतंत्र के एक नए युग का उदय होगा जहाँ नारी शक्ति अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करेगी। भाजपा सरकार ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह महिलाओं के हित में केवल सोचती नहीं है, बल्कि धरातल पर ठोस कार्य करके उनके जीवन को बदलने का सामर्थ्य भी रखती है। भारत की स्त्रियाँ अब केवल मतदाता नहीं, बल्कि देश की नियति तय करने वाली नायिकाएँ बनने जा रही हैं और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की उस दूरगामी सोच को जाता है जिसने 'नारी शक्ति' को 'राष्ट्र शक्ति' का पर्याय बना दिया है। आने वाले समय में जब विधानसभाओं और संसद के गलियारे महिलाओं की उपस्थिति से रोशन होंगे, तब भारत का लोकतंत्र अपनी सार्थकता को नए आयामों पर सिद्ध करेगा और यह सुनिश्चित होगा कि एक विकसित भारत का सपना अब दूर नहीं है। देश की करोड़ों महिलाओं का अटूट विश्वास और प्रधानमंत्री का संकल्प मिलकर एक ऐसे भारत की नींव रख रहे हैं जहाँ समानता केवल संविधान के पन्नों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में जीवंत रूप में दिखाई देगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से दी जाने वाली यह सौगात भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी, जो देश की बेटियों को यह विश्वास दिलाती है कि उनके लिए अब कोई भी शिखर अप्राप्य नहीं है।

# एकीकृत शासकीय हाई स्कूल शिकारीपुरा में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**

**मुरैना/अम्बाह।** एकीकृत शासकीय हाई स्कूल शिकारीपुरा में आज भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती बड़े ही धूमधाम और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुशवाह एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य अशोक कुशवाह ने बाबा साहब के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता

और शिक्षा के सबसे बड़े पैरोकार थे। उनके द्वारा दिखाए गए समानता के मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े प्रसंग सुनाए और उनके द्वारा दिए गए संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी जनों ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने और समाज में शिक्षा का उजियारा फैलाने का प्रण लिया। कार्यक्रम में उपस्थित रामवतार सखवार, धर्मेंद्र सिंह गुर्जर, परिमाल सिंह, श्री कृष्ण चौहान, मुकेश नायक, रेनू शर्मा, रामखिलाड़ी कुशवाह, ब्रजेश शर्मा, मोहर सिंह कुशवाह, संजय सिंह, अखे सिंह, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण जन, अपनेश सिंह तोमर कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

# अम्बाह की डॉ. प्रियंका खुडासिया ने एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की

**विदिशा मेडिकल कॉलेज के दीक्षांत समारोह में मिली उपाधि**

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-**

**मुरैना/अम्बाह।** अम्बाह की बेटी डॉ. प्रियंका खुडासिया पिता प्रमोद खुडासिया ने अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा से एमबीबीएस की डिग्री सफलतापूर्वक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कठिन परिश्रम, लगन और निरंतर अध्ययन के माध्यम से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। चिकित्सा शिक्षा के इस कठिन सफर में उन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर परिवार और समाज का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस सफलता से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। जैसे ही यह सूचना क्षेत्र में पहुंची, परिजनों, मित्रों एवं समाजजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. प्रियंका की इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया जा रहा है।

उनका यह संघर्ष और सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है, जो चिकित्सा क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहे हैं। विदिशा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह के अवसर पर विदिशा के प्रभारी मंत्री लखन पटेल एवं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अंबाह की डॉ. प्रियंका खुडासिया ने भी अपनी एमबीबीएस डिग्री प्राप्त कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। उनके परिजनों एवं उपस्थित जनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के माता-पिता एवं परिजन उपस्थित रहे, जिससे पूरा वातावरण भावनात्मक एवं उत्साहपूर्ण हो गया। मुख्य अतिथियों ने नवस्नातक चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान, समर्पण एवं संवेदनशीलता के साथ चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट योगदान दें और समाज की सेवा को अपना लक्ष्य बनाएं।

# रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

**ग्वालियर।** जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई खनिज विभाग की टीम ने रात्रिकाल में छापामार कार्रवाई कर रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। जब्ती के साथ ही संबंधित प्रकरणों में खनिज अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई भी की गई है।

प्रभारी जिला खनिज अधिकारी घनश्याम सिंह यादव ने बताया कि बीती रात खनिज विभाग की टीम ने ग्वालियर शहर के विभिन्न स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कंपू क्षेत्र के पास रेत का अवैध परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं, जिन्हें मौके पर जब्त कर संबंधित थाने की अभिरक्षा में रखा गया। इसी क्रम में जौरासी क्षेत्र अंतर्गत 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी अवैध रेत परिवहन करते हुए जब्त किया गया। इससे पहले रात्रिकाल के दौरान झांसी रोड थाना एवं सिरोल थाना क्षेत्र में भी 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रेत परिवहन करते हुए जब्त की गई थीं। इस प्रकार कुल 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर सभी पर नियमानुसार अर्थदंड की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। इस संपूर्ण कार्रवाई में सहायक खनिज अधिकारी रमाकांत तिवारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। खनिज विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

## प्रथम पृष्ठ के शेष समाचार....

### सेवा ही सच्ची साधना, यही जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उन्होंने कहा कि स्व. दवे ने राजनीतिक क्षेत्र में रहते हुए भी नर्मदा की अविरल धारा और जलवायु परिवर्तन जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर काम किया। राज्य सरकार उनकी भावना के अनुरूप नर्मदा के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माथुर के उज्जैन जिले के प्रचारक रहते हुए उनसे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। वे असंभव काम को भी संभव करने में सिद्धहस्त थे। स्व. माथुर ने विंध्य क्षेत्र में मौजूद अनेक चुनौतियां का समाधान खोजा। इसी का परिणाम है कि आज विंध्य क्षेत्र तेजी से समग्र विकास की ओर अग्रसर है। स्व. माथुर मां नर्मदा के इस क्षेत्र को संरक्षित करने के लिए जो मार्ग दिखाया है। हम उसी पर आगे बढ़ते हुए काम कर रहे हैं। उन्होंने संकल्प लिया था कि मां नर्मदा की धारा अविरल होनी चाहिए। इसके चारों ओर का क्षेत्र हरा-भरा होना चाहिए। यह क्षेत्र अतिक्रमण से मुक्त होना चाहिए। आज यही संकल्प लेने का अवसर आया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष में हर व्यक्ति के लिए पंच निष्ठा आयाम तय किए हैं। इन पंच निष्ठाओं के तहत हम सभी को अपने परिवार को संस्कारित करने, सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करने, पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को अंगीकार करने और अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में आज सामाजिक समरसता की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंगलवार (14 अप्रैल) को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है। बाबा साहेब ने जीवनभर अपने मूल सिद्धांतों और हिंदु समाज की विविधताओं के साथ समाज को जातिगत बुराईयों से बाहर लाने का कार्य किया। कमजोर वर्ग के बीच समता और समानता का भाव विकसित किया। भारत को लगभग 1000 साल की गुलामी के बाद आजादी मिली है। हम सब इस आजादी को अक्षुण्ण रखकर हमारी भारतीय संस्कृति को गले लगाकर मानवता के मूल गुणों को स्थापित करने के लिए आगे बढ़ते रहें। हमारे समाज में अस्पृश्यता और जातिवाद का कोई स्थान नहीं है। जातिवाद और विषमता को खत्म कर राज्य सरकार समानता के मूल भाव को तेजी से आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भौतिकता के वातावरण में समाज के हर वर्ग में परिवार के भाव को विकसित करने की आवश्यकता है। संस्कारों के अभाव में पीढ़ियों में परम्पराएं तेजी से बदल रही हैं। इससे राष्ट्र प्रेम भी प्रभावित होता है। हम सभी अपने परिवार के साथ भोजन करें, बच्चों के साथ बैठें, बच्चों को महापुरुषों की कहानियां सुनाएं। राष्ट्र निर्माण के भाव को जोड़कर नई पीढ़ी गढ़ें। आज पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी आगे बढ़कर काम करने की आवश्यकता है। आज हमारे सामने प्लास्टिक, पेस्टीसाइड जैसी कई प्रकार की चुनौतियां हैं। मौसम में परिवर्तन आने से अप्रैल जैसे ग्रीष्म माह में ओलावृष्टि हो रही है। इसे नियंत्रित करने के लिए हमें प्रकृति से प्रेम करना पड़ेगा और पर्यावरण की जड़ों के साथ जुड़ना होगा। प्रकृति के साथ जुड़ने के लिए हमारी परम्परा तो सनातन काल से रही है। अब कार्यक्रमों में अतिथियों का स्वागत तुलसी के पौधे के साथ होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वदेशी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। आज के दौर में दुनिया के देशों में विकट परिस्थितियां बनी हुई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह पहले की भांप लिया था कि देश में रिफायनरियां होनी चाहिए। देश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडारण होना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी हर प्रकार से देश को संगठित करने का कार्य कर रहे हैं। आज हमारी सेनाएं सशक्त हो रही हैं। दुनियाभर में उथल-पुथल का वातावरण है, लेकिन भारत मजबूती के साथ खड़ा है। परिवर्तन के दौर में हमें संस्कारों के साथ विरासत से विकास की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। धर्म में आस्था के साथ राष्ट्रधर्म में भी आस्था रखते हुए आगे बढ़ा जाए। राज्य सरकार सनातन संस्कृति के सभी त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मना रही है।

कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री एवं अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, विधायक मनीषा सिंह, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री सम्मानित मोहन नागर, कोल विकास प्राधिकरण तथा नर्मदे हर सेवा न्यास' के अध्यक्ष रामलाल रौतेल,अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के पूर्व कुलगुरु डीएन वाजपेयी,हीरासिंह श्याम सहित न्यास के सभी सदस्यगण, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, संत-वृंद सहित बड़ी संख्या में सुधिजन भी उपस्थित थे।

### विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने 6.40 करोड़ की लागत से 9 किमी सड़कों का भूमिपूजन किया

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी का सपना था कि प्रत्येक गांव पक्की सड़कों से जुड़ा हो और आज यह सपना साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही हर गली-मोहल्ला अभी पूरी तरह न जुड़ा हो, लेकिन प्रत्येक गांव सड़क संपर्क से जुड़ चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की मंशा है कि गांव, गरीब और किसान को सीधा लाभ मिले। सड़कों के निर्माण से किसान अपनी फसल आसानी से मंडियों तक पहुंचा सकते हैं और दुग्ध उत्पादन को भी बाजार में उचित मूल्य मिल पा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि दिमनी विधानसभा क्षेत्र सहित टेंटरा से बुधारा तक विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत में सांसद निधि, विधायक निधि एवं जनपद निधि के माध्यम से निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

सांसद श्री तोमर ने कहा कि सरकार गांव, गरीब और किसान के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से सड़क, बिजली, पानी के साथ-साथ किसान सम्मान निधि एवं लाड़ली बहना जैसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

### अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभः विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी गांव या मोहल्ला विकास से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही सरकार की मंशा है। उन्होंने दिमनी विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि से विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत किर्रायच में 13 लाख रुपए की लागत से दो सीसी रोड, ग्राम पंचायत इकहरा में 5 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड, ग्राम पंचायत सांगोली में 4 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड, ग्राम पंचायत खड़ियाहार में 13.86 लाख रुपए की लागत से शांतिधाम तक सीसी रोड तथा ग्राम पंचायत लल्लू बसई में 5 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम पंचायत लल्लू बसई में 46.52 लाख रुपए की लागत से पंचायत भवन का भूमिपूजन किया गया है। इसके साथ ही लल्लू बसई के पांच मोहल्लों में 18.94 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड, ग्राम पंचायत सिकरोड़ी में 3 लाख रुपए की लागत से शांतिधाम की बाउंड्रीवाल तथा ग्राम पंचायत बावड़ी पुरा में 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि ग्राम पंचायत लल्लू बसई में पंचायत भवन निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। पंचायत के कार्यों में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए इस भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिससे स्थानीय प्रशासनिक कार्यों में सुविधा मिलेगी।

सांसद श्री तोमर ने कहा कि सामुदायिक भवन के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक एवं सामूहिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी और गांव के विकास को नई दिशा मिलेगी।

# नर्मदा के संरक्षण हेतु सरकार एवं समाज में समन्वय जरूरी: मुख्यमंत्री डॉ.यादव

### मुख्यमंत्री डॉ यादव के अध्यक्षता में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक हुई आयोजित

**अनूपपुर (ब्यूरो राजेश शिवहरे)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा नदी जीवनदायिनी नदियों में से एक है। नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए शासन एवं समाज के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि नर्मदा के उद्गम स्थल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएँ तथा नदी तटों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सतत रूप से की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमरकंटक की अखंडता बनाए रखने के लिए अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा जन जागृति बढ़ाई जाए, ताकि उद्गम स्थल का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज अमरकंटक में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक में अधिकारियों के निर्देशित कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल,अध्यक्ष नर्मदे हर सेवा न्यास रामलाल रौतेल,जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पराजगढ़ श्री हीरा सिंह श्याम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय प्रजाति के पौधे, वन औषधि पौधों का प्राथमिकता के साथ रोपण किया जाए। इस संबंध में वन मंडल अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। वन विभाग के अधिकारियों ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अमरकंटक के प्राकृतिक स्वरूप को निखारने के लिए स्थानीय प्रजाति साल, महुआ, आंवला,चार,हर्रा, गुलबकावली आदि स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हो तथा स्थानीय वन प्राकृतिक रूप से संरक्षित रह सकें। इस दौरान यह भी बताया गया कि वन विभाग की रोपणी में 2.50 लाख से अधिक पौधे उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में नए निर्माण कार्यों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमरकंटक क्षेत्र में अनियंत्रित कंक्रीट निर्माण को प्रतिबंधित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक तथा नर्मदा उद्गम स्थल पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध समय-समय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने नर्मदा नदी में प्रदूषण, अपशिष्ट जल निकासी एवं जल प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस पर अधिकारियों ने बताया कि अमरकंटक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा चुका है तथा यह सुनिश्चित करने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रदूषित जल नर्मदा नदी में न मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक में सीमेंट एवं कंक्रीट का निर्माण ना हो इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें, जिस पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र का ड्रोन सर्वे पूर्व में कराया जा चुका है। इसके अंतर्गत यदि कोई अवैध निर्माण कार्य पाया जाता है, तो उस पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अमरकंटक विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, नगर परिषद तथा अमरकंटक मंदिर के विकास हेतु कमिश्नर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से समय-समय पर अमरकंटक के विकास एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं एवं बिंदुओं पर चर्चा की जाती है। बैठक में ट्रैकिंग रूट,अग्नि सुरक्षा की मॉनिटरिंग एवं प्रबंधन, वन उत्पादों के प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन, वन्यजीवों के मूवमेंट एवं उनकी स्थिति सहित अमरकंटक के मंदिरों, तालाबों एवं घाटों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।समीक्षा बैठक में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने नर्मदा समग्र मिशन के तहत समाज के सहयोग से संचालित की जाने वाली नर्मदा नदी के घाटों की साफ-सफाई तथा सहायक नदियों एवं घाटों में जन सहभागिता से किए जाने वाले श्रमदान कार्यों की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास संजय दुबे ने अमरकंटक में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव योजना आर्थिकी एवं सांख्यिकी संजय शुक्ला द्वारा नर्मदा नदी के समग्र विकास के लिए बनाई गई कार्य योजना एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। मुख्य सचिव वन संदीप यादव ने वन विभाग द्वारा जैव विविधिता, यूकोलिप्टिस के प्लांटेशन को हटाकर स्थानीय प्रजाति के पौधरोपण के संबंध में जानकारी दी। बैठक में शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक चैत्रा एन, डीआईजी सविता सुहाने, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान,वनमण्डलाधिकारी डेविड व्यंकटेश, जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीएम पुष्पराजगढ़ श्री वसीम अहमद भट्ट,सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# जब-जब देश पर संकट आया, संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवा और सुरक्षा का दायित्व निभाया है: राजमोहन सिंह

### -देवास में संघ के शताब्दी वर्ष पर प्रमुख युवा जन गोष्ठी का आयोजन

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास।** संघ के शताब्दी वर्ष में देशभर में प्रमुख जन गोष्ठियों का आयोजन हो रहा है। इसी क्रम में युवाओं हेतु 'प्रमुख युवा जन गोष्ठी' का आयोजन देवास में सेंट्रल इंडिया एकेडमी में संपन्न हुआ। इस गोष्ठी में मुखवक्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत के प्रांत प्रचारक राजमोहन सिंह के साथ देवास विभाग संघचालक अजय गुप्ता एवं देवास नगर संघचालक राजेश अग्रवाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन कर हुआ।

युवाजन गोष्ठी के मुख्यवक्ता राजमोहन सिंह ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1925 में नागपुर के मोहिते के बाड़े में लगी एक छोटी सी शाखा से प्रारंभ हुआ यह संगठन आज विश्व का एक विराट एवं सशक्त संगठन बन चुका है। उन्होंने कहा कि उस समय समाज में अपने आप को 'हिंदू' कहने में लोग संकोच करते थे, किन्तु संघ ने हिंदू होने को गौरव का विषय बनाकर समाज में आत्मविश्वास जागृत किया।

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश विभाजन (1947) तक संघ की भूमिका का उल्लेख करते हुए बताया कि विभाजन के समय संघ के स्वयंसेवकों ने अपने प्राणों की चिंता किए बिना हजारों हिंदू परिवारों को सुरक्षित भारत लाकर बसाने का कार्य किया। इसी प्रकार 1962 के भारत-चीन युद्ध तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध सहित जब-जब देश पर संकट आया, संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवा और सुरक्षा का दायित्व निभाया।

राजमोहन सिंह ने बताया कि आज संघ के प्रेरणा से विविध संगठन समाज के अलग-अलग क्षेत्रों–शिक्षा, सेवा, श्रम, किसान, महिला सशक्तिकरण आदि–में कार्य कर रहे हैं, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम के समापन में उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में 'पंच परिवर्तन' के संकल्प का आह्वान किया। इसमें नागरिक शिष्टाचार, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता तथा 'स्व' के बोध जैसे विषयों को अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा दी। आपने बताया कि देश को परम वैभव तक ले जाने के लिए राष्ट्रीय चरित्र वाले युवाओं की आवश्यकता है ।

जिज्ञासा-समाधान सत्र में युवा प्रतिभागियों ने राजमोहन सिंह से संघ की कार्यप्रणाली, गतिविधियों सहित समरसता, सद्भाव, पर्यावरण जैसे विभिन्न विषयों पर संघ अपनी प्रश्न के रूप में जिज्ञासाए प्रकट की जिसका समाधान एवं उत्तर राजमोहन सिंह ने दिया । कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम गान के साथ हुआ।

# भाजपा कार्यालय देवास पर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर प्रेस वार्ता आयोजित

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास।** भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय देवास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व भाजपा प्रदेश मंत्री अंजु माखीजा रहीं। साथ ही देवास विधायक गायत्री राजे पवार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

मुख्य वक्ता अंजु माखीजा ने अपने संबोधन में कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की मातृशक्ति को सशक्त बनाने की ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय लेने की मुख्यधारा में लाने का सशक्त माध्यम बनेगा। वर्षों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार हुआ

है, जिससे महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह कदम भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगा।

विधायक गायत्री राजे पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को 'मतदाता' से आगे बढ़ाकर 'निर्णायक' की भूमिका में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में महिलाएं देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाएंगी, जिससे समाज के हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति की, लेकिन उसे लागू करने का साहस नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ठोस निर्णय लेते हुए महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का काम किया है। यह अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी। इस अवसर पर महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राखी झालानी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में माँ नर्मदा उद्गम स्थल पर की पूजा-अर्चना

### प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं नागरिकों के कल्याण की कामना की

**अनूपपुर।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अनूपपुर जिले के पवित्र तीर्थ स्थल अमरकंटक प्रवास के दौरान माँ नर्मदा के उद्गम स्थल पहुंचकर मां नर्मदा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने माँ नर्मदा की आरती कर प्रदेश के नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं चहुँमुखी विकास के लिए मंगल कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनरेखा है और उनका आशीर्वाद सदैव प्रदेशवासियों पर बना रहता है। उन्होंने अमरकंटक की पावनता एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए प्रदेश के समग्र विकास एवं जनकल्याण का संकल्प दोहराया। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष श्री नर्मदे हर सेवा न्यास एवं रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, विधायक जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र मनीषा सिंह ने भी माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक चैत्रा एन, डीआईजी सविता सुहाने, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, जिला महिला बाल विकास अधिकारी विनोद परस्तो सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# ऑपरेशन मुस्कान में कोतवाली अनूपपुर पुलिस को बड़ी सफलता

### अपहृत 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को कर्नाटक से दस्तयाब कर नाबालिग को बहला फुसलाकर साथ भगाकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**अनूपपुर।** पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी.नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को कर्नाटक राज्य के बीदर जिले से दस्तयाब कर नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर साथ भगाकर दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद दाऊद निवासी हसन नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 09.03.2026 को 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के अचानक बिना बताये घर से कहीं चले जाने एवं ना मिलने की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 145/26 धारा 137(2) बी. एन. एस. पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी द्वारा उक्त नाबालिक बालिका की दस्तयाबी और सूचना पर 2000 रुपए नगद इनाम का उद्घोषणा आदेश जारी किया

गया ।टी आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक कमलेश तिवारी , प्रधान आरक्षक महेंद्र सिंह राठौर ,आरक्षक दीपक बुंदेला ,महिला आरक्षक अंकिता सोनी एवं सायबर सेल अनूपपुर से प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार एवं आरक्षक पंकज मिश्रा की संयुक्त टीम के द्वारा उक्त नाबालिग बालिका की लगातार प्रयास कर पतासाजी की गई एवं उक्त नाबालिग बालिका को कर्नाटक राज्य के बीदर जिले के घोड़ावाड़ी से आरोपी मोहम्मद दाऊद पिता मोहम्मद सलीम उम्र कारी 32 साल निवासी हसन नगर थाना राजेंद्र नगर हैदराबाद तेलंगाना के कब्जे से दस्तयाब कर नाबालिक बालिका को सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान पुलिस टीम को पुरुष्कृत किया गया है

**इन्स्टाग्राम पर अनजान से दोस्ती और विश्वास करना पड़ा भारी**

नाबालिग बालिका से महिला पुलिस अधिकारी द्वारा की गई पूछताछ पर विवेचना में पाया गया कि 15 वर्षीय नाबालिग बालिका का स्मार्ट फोन से इन्स्टाग्राम सोशल मीडिया के द्वारा आरोपी मोहम्मद दाऊद निवासी हैदराबाद से कुछ महीने पूर्व पहचान और दोस्ती हुई थी। जो आरोपी द्वारा नाबालिग बालिका को इन्स्टाग्राम के जरिये लगातार सम्पर्क कर बहला फुसलाया और दिनांक 09.03.2026 को आरोपी ट्रेन से अनूपपुर रेल्वे स्टेशन पहुंचा जहां नाबालिग बालिका रेल्वे स्टेशन अनूपपुर पहुंच गई जहां से आरोपी ने बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाकर हैदराबाद एवं कर्नाटक में अपने साथ रखकर शारीरिक दुष्कर्म किया।

**पुलिस अधीक्षक अनूपपुर की अपील**

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा जिले के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि माता, पिता, परिवारजन अपने नाबालिग बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सतत निगरानी जरूर रखें तथा इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अनजान व्यक्तियों से संपर्क से बचने के लिए जागरूक करें, जिससे इस प्रकार के अपराधों से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।

# तीन हाथियों का समूह राजेंद्रग्राम से जैतहरी के गोवरी जंगल में, एक हाथी का नहीं चल रहा पता

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

**अनूपपुर।** तीन हाथियों का समूह रविवार की रात वन परिक्षेत्र राजेन्द्रग्राम के पटना बीट से विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह जैतहरी के गोवरी बीट अंतर्गत जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं तीनों हाथियों द्वारा रात में किसानों के खेतों में लगी एवं रखी फसलों को अपना आहार बनाया है वही एक हाथी शनिवार एवं रविवार की मध्यरात्रि वन परिक्षेत्र अनूपपुर के भोलगढ़ बीट अंतर्गत चटुआ गांव में एक ग्रामीण के कच्चे मकान में तोड़फोड़ करने बाद रविवार एवं सोमवार के दिन से पता नहीं चल रहा जिसकी वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है।

अनूपपुर जिले में दो अलग-अलग भागों में बटे चार हाथियों का समूह निरंतर विचरण कर रहा है करता हुआ ग्रामीणों के संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं विगत 10 दिनों तक राजेंद्रग्राम वन परिक्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में विचरण करने बाद तीन हाथियों का समूह शनिवार एवं रविवार की मध्यरात्रि बेनीबारी बीट के जंगल से निकल कर कोहका, बम्हनी, बसनिहा, राजेंदग्राम,धर्मदास होते हुए रविवार के दिन पटना बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत धर्मदास के बघर्रा जंगल में दिन बीताने बाद देर शाम/रात जंगल से निकल कर हवेली पंचायत के आमाटोला निवासी बुटारी पिता परदेसिया सिंह एवं हर्रई पंचायत के डोकराटोला निवासी टोप सिंह के खेतों में लगी फसलों को खाता हुआ देर रात बैहार के पहाड़ से उतर कर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के औढेरा बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत बैहार के दोखहाटोला से जंगल हो कर ग्राम पंचायत गौरेला के आरदा,ठेही गौरेला के बड़काटोला,दुधमनिया बीट अंतर्गत केकरपानी,बांका के जंगलों में विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह एक बार फिर से वन परिक्षेत्र जैतहरी के वन बीट ग्राम एवं ग्राम पंचायत गोबरी के झुरहीतलैया जंगल में 15 से 20 किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं,तीनों हाथियों के निरंतर विचरण पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरकंटक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव,वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा,परिक्षेत्र सहायक गिरवी कुंवर सिंह सोर्ठे,वनपाल जगत सिंह मसराम,वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल,वन परिक्षेत्र अनूपपुर,जैतहरी,राजेंद्रग्राम एवं अमरकंटक के वंनरक्षकों, सुरक्षा श्रमिकों एवं ग्रामीणों के साथ रात भर हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सचेत एवं संपर्क करने से कई गांव के ग्रामीणो को समय पर सूचना मिलने पर रात्रि समय सक्रिय होकर एक दूसरे की मदद किए जाने से किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हो सकी।

वही एक अकेला हाथी शुक्रवार एवं शनिवार की रात जिला मुख्यालय अनूपपुर से 8 किलोमीटर दूर स्थित पोंड़ी बीट के जंगल में विचरण करते राष्ट्रीय राज्यमार्ग को पार कर ग्राम पंचायत बरबसपुर के बघमंडा जंगल में थानू सिंह के कच्चे मकान में तोड़फोड़ कर बरबसपुर सरपंच बिसाहू लाल रौतेल एवं नारायण सिंह के खेतों में लगे तथा रखे फसलों को खाते फैलाते हुए शनिवार एवं रविवार की मध्य रात्रि वन बीट भोलगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगवां के चटुआ गांव से लगे जंगल में समयलाल पाव के कच्चे मकान में अचानक पहुंचकर तोड़फोड़ करते हुए घर के पास रखें अनाज को खाया इस दौरान समयलाल पाव एवं उनका परिवार अचानक घर में पहुंच कर तोड़फोड़ कर रहे हाथी को देखते हुए घर से निकलकर जंगल की ओर भाग कर अपनी जान बचाई यह हाथी का रविवार की सुबह से वर्तमान समय तक पोंडी एवं भोलगढ़ वन बीट के अंतर्गत जंगल में ठहर कर विश्राम करने की संभावना बताई जा रही है जिसकी वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है।

# जौरा में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

### बाजारों में जाम को लेकर व्यापारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना/जौरा।** जौरा थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक का आयोजन एसडीओपी नितिन बघेल, नगर निरीक्षक ओपी रावत की मौजूदगी में किया गया। 13 अप्रैल की शाम आयोजित इस बैठक में एसडीओपी नितिन बघेल ने अपनी बात किए हुए कहा कि भीमराव अंबेडकर जयंती एवं परशुराम जयंती को सभी आपसी सद्भावना के साथ मनाएं। चल समारोह के दौरान लाउडस्पीकर को माध्यम आवाज में सभ्यता के साथ बजाने की बात कही गई। बैठक में व्यापारियों में भी अंबेडकर जयंती भगवान परशुराम जयंती को मिलजुल कर मनाने की बात कही गई। बैठक में नगर के व्यस्त बाजारों में दिन-प्रतिदिन जाम की स्थिति को लेकर व्यापारियों ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। व्यापारियों का कहना था कि बाजारों में भारी वाहनों का प्रवेश बंद किया जावे। ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं अन्य बड़े लोडिंग वाहन व्यस्त बाजारों में जाते हैं, उनसे जाम की हालत बन जाते हैं, वहीं टमटम चालकों की मनमानी से भी जाम की स्थिति बनी रहती है, इसलिए प्रातः 9:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक व्यस्त बाजारों में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया

जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूला जावे। नगर पालिका की तरफ से बैठक में उपस्थिति महेश सविता टीकाराम बाथम का व्यापारियों से कहना था कि नाले-नालियों के आगे सामान रखकर जो अस्थाई अतिक्रमण कर रखा है उसे व्यापारी खुद ही स्वेच्छा से हटा लें। अभियान के दौरान उक्त सामान को जप्त कर जुर्माना भी वसूला जावेगा। व्यापारियों का यह भी कहना था कि एमएस रोड पर नाले-नालियों के आगे ठेले हलवाइयों की दुकान का सामान भी रखा रहता है। मैकेनिक सड़क पर वाहनों को खड़ा कर काम करते हैं, जिससे भी जाम लगता रहता है। एसडीओपी नगर निरीक्षक एवं नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा नगर की आधा दर्जन मुख्य स्थान पर बैरिकेड से लगाने की बात कही गई, जिससे कि बड़े एवं भारी वाहन व्यस्त बाजार एवं प्रवेश नहीं कर सके, जिसका सभी व्यापारियों ने समर्थन भी किया।

बैठक में बाजार में साफ-सफाई बनी रहे, जाम की स्थिति नहीं बने इसको लेकर सभी व्यापारी एवं प्रशासनिक अधिकारी सभी बातों को लेकर सहमत नजर आए। बैठक में व्यापार मंडल के अध्यक्ष पदमचंद जैन, भोला पंसारी, वरिष्ठ भाजपा महिला नेत्री श्रीमती उर्मिला त्यागी, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कमलेश दुबे, पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शुक्ला, जेपी पाराशर, चंद्र मोहन शर्मा, राहुल गुप्ता, महेश प्रजापति, आकाश गौड़, राजू गौड़, वासुदेव बंसल व्यग्र, संदीप अग्रवाल, वासुदेव सिंघल, रुद्र दुबे, गिर्राज बंसल, शिव शर्मा, डॉ. रामसिया कुशवाहा, दामोदर जाटव, पार्षद पवन जाटव पत्रकार साहित्य आदि व्यापारी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# खुले बोरवेल-कुएं हों कवर्ड, पराली जलाने पर तत्काल कार्रवाई करें: कलेक्टर

## नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा, अंबेडकर जयंती कार्यक्रम एवं विकास कार्यों की समीक्षा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

**मुरैना।** कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में समय-सीमा पत्रों, सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत सहित समस्त जिला अधिकारी, एसडीएम, आयुक्त नगर निगम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि जिले के सभी खुले बोरवेल, कुएं एवं बावड़ियों को कवर्ड कराया जाए। साथ ही समस्त पटवारियों को सोमवार से गुरुवार (सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक) फील्ड में उपस्थित रहकर कार्य करने तथा शुक्रवार को तहसील मुख्यालय पर कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश समस्त तहसीलदारों को दिए तथा किसानों को जागरूक करने के निर्देश उपसंचालक, कृषि विभाग को दिए। उर्वरक का वितरण ई-टोकन के माध्यम से कराने तथा बिना ई-टोकन विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने बताया कि जिले में एचपीवी टीकाकरण 91 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा शेष लक्ष्य 2 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश जिला टीकाकरण अधिकारी को दिए। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयों में कम उपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षकों को पालकों से संपर्क कर छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा में घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई के निर्देश समस्त तहसीलदार एवं जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि 15 अप्रैल से मंडियों में गेहूं उपार्जन प्रारंभ होगा। समस्त एसडीएम मंडियों का निरीक्षण कर सर्वेयर, वारदाना, छलना, सिलाई मशीन आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। 14 अप्रैल 2026 को टाउन हॉल में जिला स्तरीय डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी विभाग अपनी योजनाओं के स्टॉल लगाकर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

## हत्यारोपी ट्रेक्टर चालक गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

**मुरैना।** थाना दिमनी के अपराध क्रमांक 62 / 2026 में वांछित घटना के मुख्य आरोपी (ट्रेक्टर चालक) एवं 10 हजार के ईनामी विनोद कोरी पुत्र रामकुमार कोरी निवासी कुथियाना अम्बाह मुरैना को दिनांक 13.04.26 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे विस्तृत पूछताछ जारी है। उक्त प्रकरण में वांछित सभी 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

# सी.ए. चिराग गर्ग के कार्यालय का प्रमोद गर्ग ने किया शुभारम्भ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

**मुरैना।** शहर के नामचीन आयकर अधिवक्ता शिवकुमार गर्ग के सुपुत्र सी.ए. चिराग गर्ग की चिराग एंड कम्पनी के नवीन ऑफिस का उद्घाटन जाने-माने वरिष्ठ कर सलाहाकार प्रमोद कुमार गुप्ता ग्वालियर द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर वरिष्ठ इनकम टेक्स अधिवक्ता के.सी. अग्रवाल, उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ न्यायिक सदस्य राकेश शिवहरे शहर के गणमान्य नागरिक व्यवसायी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि गर्ग एशोसियेशन काफी वर्षों से आयकर व्यवसाय कर रहे थे। अधिवक्ता शिवकुमार गर्ग एवं मोनू गर्ग एक प्रतिष्ठित कर सलाहकारों में एक थे। उनके सुपुत्र चिराग गर्ग उच्च श्रेणी से सी.ए. परीक्षा पास कर नए कार्यालय का शुभारम्भ किया। निश्चित रूप से मिलनसार, योग्य एवं मृदुभाषी परिवार से व्यवसाइयों को और बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। चिराग गर्ग कम्पनी का कार्यालय जीवाजी गंज मुरैना में हैं, जिसमें शहर के उद्योगपति सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एडवोकेट चार्टर्ड अकाउंटेंट व्यापारी एवं अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित हुए। उपस्थित सभी लोगों ने सी.ए. चिराग गर्ग को उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

# नहर में मिली एक्सपायर्ड आयरन सीरप समेत 12 प्रकार की दवाएं

## 2024 में हो गईं थी एक्सपायर्ड, सेंट्रल ड्रग स्टोर से हुआ था वितरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

**मुरैना।** सोमवार को स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुड़ियाखेड़ा बायपास के नजदीक नरूआ के पास सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वितरण के लिए आवंटित दवाएं भारी मात्रा में पड़ी हुईं मिलीं। एक्सपायर्ड दवाओं को खुली जगह में फेंका जाना स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। पुलिस ने दवाओं को जब्त स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक मुड़ियाखेड़ा के ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह करीब 9.30 बजे स्टेशन रोड थाना पुलिस को नरूआ के पास दवाएं पड़े होने की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एसआई राममंत्र गुप्ता मौके पर पहुंचें। पुलिस को मौके पर 400 से अधिक संख्या में सरकारी अस्पताल में वितरित की जाने वाली आयरन सीरप, कैल्शियन टेबलेट सहित अन्य दवाएं पड़ी हुईं मिलीं। इनमें ब्लड शुगर की जांच करने वाली स्ट्रिप्स शामिल थीं। प्रारंभिक जांच में अधिकांश दवाइयां एक्यपायरी डेट की पाई गई। इन दवाओं को पुलिस जब्त कर थाने लू आई। सूचना पाकर खड़ियाहार बीएमओ डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता स्टेशन रोड थाने पहुंचें और दवाओं को साथ लाकर सेंट्रल स्टोर में जमा कर दिया।

# नीति निर्धारण और नेतृत्वकारी भूमिका में बैठने का ऐतिहासिक काम करेगा नारी शक्ति बंधन अधिनियम: खुशबू गुप्ता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

**मुरैना।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा सदन में दिनांक 16, 17, 18 को विशेष नारी शक्ति बंधन अधिनियम के लिए बुलाया जा रहा है। यह नारी शक्ति बंधन अधिनियम देश की महिला सशक्तिकरण को मजबूती और महिलाओं का नेतृत्व प्रदान करेगा। इसी योजना को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप दंडोतिया ने बताया कि जिसमें चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा, प्रदेश मंत्री खुशबू गुप्ता, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष कृष्ण कांता तोमर, प्रदेश मंत्री रीना दंडोतिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंजू सिकरवार, महापौर शारदा सोलंकी, जिला उपाध्यक्ष मधु दंडोतिया एवं भावना जालौन मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति बंधन अधिनियम का कानून महिलाओं के लिए मिल का पत्थर सबूत होगा, जिन्होंने हमारी

मातृशक्ति के लिए विचार और उनका नेतृत्व प्रदान करने हेतु जिम्मेदारी सौंपने जा रहे हैं। इस आरक्षण के माध्यम से महिलाओं को भी चुनाव लड़ने का अवसर मिलेगा ताकि वे समाज की सेवा के साथ-साथ सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर तक की महिलाओं तक पहुंचाने का कार्य कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई जी के नेतृत्व वाली सरकार ने महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का कानून बनाने के लिए लोकसभा में और राज्यसभा में लेकर आए, लेकिन कांग्रेस ने इस बिल का विरोध कर महिलाओं के अधिकारों को रोकने का कार्य किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा का विशेष शास्त्र बुलाकर इस कानून को लोकसभा पटेल पर रखा राज्यसभा पटेल पर रखा और दोनों सदनों में इसे पास कर महिलाओं के अधिकारों के प्रति नेतृत्व दिया।

प्रदेश मंत्री खुशबू गुप्ता ने कहा कि सालों से संसद की दहलीज पर खड़ी भारत की बेटियों का इंतजार अब खत्म हुआ है,क्योंकि यह अधिनियम उन्हें वह राजनीतिक सामर्थ्य दे रहा है, जहां वे स्वयं अपने और देश के भविष्य का फैसला करेंगी। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद आयोजित पहले सत्र की शुरुआत ही एतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से हुई थी यानी लोकतंत्र के नए मंदिर का पहला ऐतिहासिक कदम ही भारत की मातृशक्ति को समर्पित रहा। यह इस बात का उद्घोष है कि 'नया भारत' अब अपनी बेटियों के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस 'गारंटी' का प्रमाण है, जिसने दशकों से राजनीति के हाशिये पर खड़ी भारत की बेटियों को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक अधिकार देकर उन्हें राष्ट्र का भाग्यविधाता बना दिया है।

# रेत से भरे ट्रेक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में टक्कर मारी, दो घायल

## सुमावली थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, ड्राईवर गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

**मुरैना।** सुमाावली थाना क्षेत्र में सोमवार की दोपहर चंबल नदी की रेत से भरे एक ट्रेक्टर-ट्रॉली ने सवारियों से भरे थ्री-व्हीलर ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो में सवार दो लोग जख्मी हुए है। जिनमें से एक को गंभीर हालत में ग्वालियर रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर एक थ्री-व्हीलर ऑटो सुमावली से सवारियां लेकर टेकरी की ओर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में चंबल नदी की रेत का परिवहन कर रहे तेज रफ्तार ट्रेक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में टक्कर मारी, जिसके बाद ड्राईवर ट्रॉली को पलटाने के बाद ट्रेक्टर को लेकर भाग निकला। हादसे में ऑटो में सवार दो लोग सोहेल खान 19 पुत्र गफूर खान निवासी सुमावली और दर्शन सिंह राजपूत 58 पुत्र द्वारिका सिंह राजपूत नि. निटहरा बुरी

तरह जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर डायल-112 मौके पर पहुंचीं और दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत में दर्शन सिंह को ग्वालियर रैफर किया गया है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से ट्रेक्टर ड्राईवर को पकड़ लिया गया, जबकि उसका साथी ट्रेक्टर लेकर भाग निकला। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था।

## तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिला भिंड अवनीश गुप्ता को प्रभारी चंबल संभागायुक्त ने किया निलंबित

**मुरैना।** वर्ष 2024 में तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिला भिंड अवनीश गुप्ता द्वारा नमूना कार्रवाई का भय दिखाकर रुपए की मांग किए जाने के आरोप सामने आए। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर भिंड कलेक्टर द्वारा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। नोटिस के जवाब में श्री गुप्ता द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत 30 सितम्बर 2025 को आरोप, आधार एवं संबंधित पत्र जारी कर पुनः जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। श्री गुप्ता द्वारा 7 अप्रैल 2026 को प्रस्तुत किया गया जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया। तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी भिंड, वर्तमान में मुरैना पदस्थ अवनीश गुप्ता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही लंबित है। इस पर प्रभारी चंबल संभागायुक्त एवं कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम 1966 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री गुप्ता का मुख्यालय खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला मुरैना रहेगा तथा उन्हें मूलभूत नियम 53 के अंतर्गत निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी।

## डॉ. दीपक तिवारी तत्काल प्रभाव से निलंबित

**मुरैना।** पशु सहायक शल्य पशु चिकित्सालय कन्हार में पदस्थ पशु सहायक शल्य चिकित्सक डॉ. दीपक तिवारी को कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं अनियमितताओं के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. दीपक तिवारी नियमित रूप से अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हो रहे थे। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन डॉ. बी.के. शर्मा द्वारा उन्हें कई बार स्मरण पत्र जारी किए गए, किंतु उनके कार्य व्यवहार में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि डॉ. तिवारी द्वारा 22 अगस्त 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक मेडिकल अवकाश पर रहने की जानकारी दी गई, जबकि प्रस्तुत सिकनेस सर्टिफिकेट में केवल 15 दिवस के अवकाश की ही अनुशंसा की गई थी।

# अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती 19 अप्रैल को

## -तीर्थंकर ऋषभदेव आहार दिवस भी मनाया जाएगा

**मुरैना।** अक्षय का अर्थ पूर्णता से है, न तो वो मिटता है, न हटता है, न ही बिखरता है अर्थात पूर्ण फल प्राप्ति होती हैं । ऐसी तिथि वर्ष में केवल एक बार ही आती है। उसे अक्षय तृतीया के नाम से जाना जाता है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन ने बताया कि वैशाख माह शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को ही अक्षय तृतीया तिथि नाम से जाना जाता है । यह इस बार 19 अप्रैल रविवार के दिन है। इस बार तृतीया तिथि का प्रारंभ 19 अप्रैल रविवार को सुबह 10:49 बजे होगा, इसका समापन 20 अप्रैल सोमवार को प्रातः 07:27 बजे होगा। इसी दिन परशुराम जयंती एवं जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभ देव जी का आहार दिवस भी अत्यधिक धूम धाम से मनाया जाता है । ऐसा माना जाता है कि श्री परशुराम जी का जन्म प्रदोष काल में वैशाख तृतीया तिथि में हुआ था । प्रदोष काल युक्त तृतीया 19 अप्रैल रविवार को को ही है। अक्षय तृतीया का पूजा मुहूर्त इस बार 19

अप्रैल रविवार सुबह 10:49 बजे से प्रारंभ होकर 12:20 बजे तक रहेगा। जैन ने बताया कि इस दिन का किया हुआ तप, दान अक्षय फलदायक होता हैं । वैदिक ज्योतिष में भी अक्षय तृतीया को सभी अशुभ प्रभावों से मुक्त एक शुभ दिन मानते हैं। पंचांग के अनुसार विवाह, गृह प्रवेश, भूमि पूजन, वाहन, प्रोपर्टी, मकान, सोना, चांदी आदि खरीदने के लिए इस दिन किसी प्रकार के मुहूर्त की जरूरत नहीं होती । इस लिए किसी भी कार्य के आरम्भ के लिए यह दिन अबूझ मुहूर्त कहलाता है अर्थात किसी से पंचांग से मुहूर्त पूछ ने की जरूरत नहीं होती। इस दिन पंखा, चावल, नमक, घी, चीनी, सब्जी, फल, इमली एवं वस्त्रों का वृतार्थी को दान अवश्य करना चाहिए। इस दिन बद्रीनाथ मंदिर जी के पट भी खुलते है । कुछ श्रद्धालु इस दिन पवित्र नदी में या गंगा जी में स्नान करके गेहूं, चने, सत्तू, दही -चावल, गन्ने का रस, मिष्ठान्न आदि दान करते हैं। जैन धर्म में भी अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है। जैन शास्त्रों के अनुसार जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव जी को दीक्षा लेने के बाद 06 माह तक नवधा भक्तिपूर्वक आहार की विधि नहीं मिल सकी थी । तब हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश को रात्रि स्वप्न आया, तब राजा श्रेयांश कुमार ने गन्ने के रस का प्रथम आहार वैशाख शुक्ल तृतीया के दिन भगवान ऋषभ देव जी को इसी दिन दिया था।तब से इस दिन को जैन धर्मावलंबी बड़े धूम धाम से मनाते हैं।

## श्री श्याम जी जन सेवा फाउंडेशन संस्था ने गरीब बिटिया की शादी में किया सहयोग

**मुरैना।** समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय श्री श्याम जी जन सेवा फाउंडेशन संस्था मुरैना द्वारा सराहनीय पहल करते हुए एक गरीब परिवार श्रीमती ममता प्रजापति पत्नी स्व. महेश प्रजापति, संजय कॉलोनी में किराये के मकान में अस्थाई रूप से निवासरत है। इनकी पुत्री कु. मधु की शादी में 11 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना उनका मुख्य उद्देश्य है। इसी कड़ी में संस्था ने इस गरीब परिवार की मदद कर सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

संस्था के सदस्यों ने कहा कि बेटियों की शादी में आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे परिवारों की मदद के लिए वे आगे भी इसी तरह प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राकेश प्रजापति, संरक्षक दीपू प्रजापति, उपाध्यक्ष विष्णु लाल, सचिव प्रदीप प्रजापति, कोषाध्यक्ष राजेश राठौर, सदस्य देवेन्द्र (देव) प्रजापति, जीतू, राकेश, संजू, अजय, संतोष सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बिटिया को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र के लोगों ने संस्था के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया है।


## आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम द्रोपदी पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह जन्म दिनांक- 01.01.1953, निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली, गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना (म.प्र.) मेरे आधार कार्ड क्रमांक 2010 9777 1105 में अंकित है।

आज दिनांक से यह अपना नाम द्रोपदी पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह जन्म दिनांक 01.01.1953, निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली, गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना से बदलकर नया नाम द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह कर लिया है, जो इनके वोटर कार्ड क्रमांकः HNN 1450857 में इनका नाम द्रोपा अंकित है। अब इन्हें द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह के नाम से जाना व पहचाना जावे। आमजन सूचित हों। यह आम सूचना मेरे सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यों में काम आवे।

दिनांक............

हस्तां./हस्त चिन्ह सूचनाकर्ता
द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी
निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली
गैलेथा तहसील जौरा
जिला मुरैना (म.प्र.)

## न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह जिला मुरैना मध्य प्रदेश

प्र.क्र./01/2025-26/अ-20(2)

ग्राम भारती शिक्षा समिति मुरैना
सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर
बुधारा पोरसा मुरैना
बनाम
मध्य प्रदेश शासन

// उद्घोषणा //

जर्ये उद्घोषणा आमोखास जनता ग्राम बुधारा को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय मुरैना के न्यायालय के प्र.क./02/2025-26 /अ-20 (2) में ऑर्डरसीट दिनांक 02.09.2025 में ग्राम बुधारा की भूमि सर्वे क्रमांक 863 / 1516 रकवा 0.42हे. शासकीय भूमि को ग्राम भारती शिक्षा समिति सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर मुरैना को आवंटन किये जाने हेतु प्रस्ताव पास हुये हैं। उक्त भूमि ग्राम भारती शिक्षा समिति सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर मुरैना को आवंटन किये जाने में किसी आम जन को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह प्रकरण मे सुनवाई हेतु नियत पेशी दिनांक 16.04.2026 से पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

(रामनिवास सिंह सिकरवार)
अनुविभागीय अधिकारी
अम्बाह जिला मुरैना

## न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला मुरैना (म.प्र.)

मामला क्र. 0002 / पुनर्विलोकन / 2025-26/
मुरैना, दिनांक 13/03/2026

विज्ञप्ति

(1) उदयभान सिंह पुत्र श्री ब्रम्हजीत सिंह, निवासी ग्राम रतन का पुरा, मौजा कीचौल, तहसील पोरसा जिला मुरैना, म.प्र.।

................. आवेदक

बनाम

(1) नाथूसिंह, (2) रामसेवक सिंह, ( 3 ) सरनाम सिंह पुत्रगण श्री साहब सिंह, निवासीगण ग्राम सगरा, तहसील व जिला मुरैना, म.प्र.।
(4) जयहिन्द सिंह (5) सतीश सिंह (6) दीपू सिंह पुत्रगण प्रीतम सिंह (7) विश्वनाथ सिंह,
(8) देवेन्द्र सिंह (9) जण्डेल सिंह पुत्रगण मुन्शी सिंह (10) राजवीर सिंह पुत्र मुन्शीसिंह फोत के वारिसान उपदेष सिंह पुत्र राजवीर,
( 11 ) चौहान वेवा राजवीर सिंह, ( 12 ) बादशाह सिंह, (13) भीमसेन ( 14 ) रामसनेही पुत्रगण जंगजीत सिंह
(15) ब्रम्हजीत सिंह पुत्र नंदराम सिंह फोत वारिसान-अ-जनवेद सिंह, ब- सुजान सिंह, स-आशाराम सिंह पुत्रगण ब्रम्हजीत सिंह
(16) उम्मेद सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, (17) किशन सिंह पुत्र नंदराम सिंह फोत वारिसान अ- फोजदार सिंह ब- रणवीर सिंह पुत्रगण किशन सिंह (18) नरेश सिंह ( 19 ) रमन सिंह, (20) राजू सिंह ( 21 ) राजेश सिंह पुत्रगण भीकम सिंह सभी जाति ठाकुर निवासीगण ग्राम रतन सिंह का पुरा मौजा कीचौल, तहसील पोरसा, जिला मुरैना, म.प्र.।

.............अनावेदकगण

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उदयभान सिंह पुत्र श्री ब्रम्हजीत सिंह, निवासी ग्राम रतन का पुरा, मौजा कीचौल, तहसील पोरसा जिला मुरैना, म.प्र. द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 अंतर्गत ग्राम कीचौल तहसील पोरसा जिला मुरैना, स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 3294 / 4.262 / 1 कुल रकवा 0.679 हे0 सर्वे क्रमांक 363 रकवा 1.599 हे0, सर्वे क्रमांक 372 रकवा 0.230 हे0 के संबंध में न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला मुरैना के प्रकरण क्रमांक 0033/2021-22/निगरानी में पारित आदेश दिनांक 14.02.2025 के विरूद्ध पुनर्विलोकन हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः वादित भूमि से संबंध रखने वाले सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त प्रकरण में दिनांक 16.04.2026 सुनवाई हेतु नियत की गई है। नियत दिनांक पर न्यायालय में आप स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पक्ष समर्थन कर सकते हैं। आपकी अनुपस्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी । आज दिनांक 13.03.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला मुरैना, (म.प्र.)

## कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026 — //नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)// — मुरैना, दिनांकः- 13.04.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

| क्र. | भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक | भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम | भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता | नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 577/35 का अंशभाग नया वार्ड 41, डॉ. कौशल वाली गली रविदास नगर मुरैना | श्रीमती रेखा जादौन पत्नी रघुनंदन सिंह जादौन निवासी- ग्राम गुनापुरा हुसैनपुर तहसील जौरा जिला मुरैना | स्व. फिरंगी सिंह तोमर पुत्र विद्याराम सिंह के बजाय अशोक सिंह तोमर पुत्र स्व. फिरंगी सिंह तोमर | विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र |
| 2 | 266/5 का अंशभाग नया वार्ड 22, पुराना वार्ड 7 पीपल वाली माता के पास कृष्णा अपार्टमेंट फ्लेट नं. 101 मुरैना | नीरज गर्ग पुत्र रमेश गर्ग निवासी- दत्तपुरा मुरैना | अखिलेश सिंघल पुत्र श्यामलाल सिंघल विजय कुमार जैन पुत्र सुमेदीलाल जैन पंकज जैन पुत्र प्रेमचंद जैन | विक्रय पत्र |
| 3 | 65/24, वार्ड पुराना 04 रेलवे स्टेशन के पीछे मुरैना | रमेशचन्द्र वैश्य पुत्र श्री बद्रीप्रसाद वैश्य निवासी- मुरैना | श्री मोहनलाल, अशोक कुमार पुत्रगण श्री बद्रीप्रसाद | मृत्यु प्रमाण पत्र, पूर्व रजिस्टर्ड हक त्याग, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, शपथ पत्र सजरा |
| 4 | 355/32, नया वार्ड 38 शर्मा गली गाँधी कॉलोनी मुरैना | अशोक कुमार शर्मा पुत्र स्व. सियाराम शर्मा निवासी- शर्मा गली गाँधी कॉलोनी मुरैना | सुरेश कुमार, अशोक कुमार, दिनेश कुमार पुत्रगण घन्टोली लाल जाटव | विक्रय पत्र |
| 5 | 36/24, नया वार्ड 23 स्टेशन रोड मुरैना | श्रीमती मीरा सर्राफ पुत्री स्व. श्री हरिद्वारी लाल गोयल पत्नी रमेश कुमार सर्राफ (1/2 भाग पर) दिनेश गोयल पुत्र स्व. हरिद्वारी लाल गोयल | स्व. श्रीमती कृष्णदेवी गोयल पत्नी हरिद्वारी लाल गोयल | रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र |

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न

# डॉ. भीमराव अम्बेडकर

को **कोटि-कोटि नमन**

**न्याय, समानता और समरसता के मूल्यों से सशक्त होता मध्यप्रदेश**

## 136वीं जयंती समारोह

**14 अप्रैल, 2026**
**डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)**
**जिला इंदौर**

मुख्य अतिथि

## डॉ. मोहन यादव

**मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश**

*"भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।"*

*-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री*

### डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास

**आस्था से जुड़ाव**
बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित **5 ऐतिहासिक स्थल** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल

**वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू**
स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं **अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर** का विकास

**सम्मान का प्रतीक नामकरण**
महू रेलवे स्टेशन का नाम **'डॉ. अम्बेडकर नगर'**

**युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान**
डेयरी इकाई के लिए **कामधेनु योजना** में ₹42 लाख तक ऋण

**आर्थिक कल्याण योजना** में ₹1 लाख तक अनुदान

**संत रविदास स्व-रोज़गार योजना** में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता

**उद्योग उदय योजना** के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग

**शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान**
**डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना** 10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार

उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु **अम्बेडकर फैलोशिप**

**पर्यावरण और विरासत का संगम**
सागर में 25वां **डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य** घोषित

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

D11005/26

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @Jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @JansamparkMP JansamparkMP

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे,प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।